संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI REG. No.-CHHHIN/2004/15050
Po.Reg.No.-13/Sarguja DN/2023-2025

www.ghatatighatana.com
ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 329 शनिवार 04 अक्टूबर 2025, पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

अब बैंकों को एक ही दिन में क्लियर करना होगा चेक

नई दिल्ली,03 अक्टूबर 2025 (ए)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबी आई) ने नई गाइडलाइन जारी की है, जिसके तहत 4अक्टूबर से सभी बैंकों को चेक एक ही दिन में क्लियर करना अनिवार्य होगा। इस कदम से चेक के माध्यम से भुगतान करना तेज और आसान हो जाएगा। वर्तमान में चेक क्लियर होने में एक से दो दिन लगते हैं। एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक ने भी अपने ग्राहकों को सूचित किया है कि 4 अक्टूबर से चेक उसी दिन क्लियर होंगे। नई व्यवस्था के तहत चेक जमा करने पर कुछ ही घंटों में क्लियर हो जाएंगे। बैंकों ने ग्राहकों से पर्याप्त बैलेंस बनाए रखने और चेक विवरण सही-सही भरने का अनुरोध किया है, ताकि बाउंस या अस्वीकृति से बचा जा सके। आरबीआई ने बताया कि यह सिस्टम दो चरणों में लागू होगा। पहला चरण 4 अक्टूबर, 2025 से 3 जनवरी, 2026 तक और दूसरा चरण 3 जनवरी के बाद। सिस्टम के तहत सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक चेक पेश किए जाएंगे। चेक प्राप्त करने वाली बैंक इसे स्कैन कर क्लियरिंग हाउस को भेजेगी, जो चेक की इमेज राशि अदा करने वाली बैंक को भेजेगा। उसके बाद सुबह 10 बजे से शाम 7 बजे तक राशि अदा करने वाली बैंक को चेक पर सकारात्मक या नकारात्मक कॉन्फर्मेशन देना होगा। हर चेक का एक आइटम एक्सपायरी टाइम तय होगा, जिसके भीतर कॉन्फर्मेशन अनिवार्य है। सुरक्षा बढ़ाने के लिए बैंकों ने पॉजिटिव पे सिस्टम का उपयोग करने का भी आग्रह किया है। इसके तहत 50,000 रुपए से अधिक के चेक के लिए खाता संख्या, चेक संख्या, तिथि, राशि और लाभार्थी का नाम बैंक को कम से कम 24 कार्य घंटे पहले बताना होगा। चेक प्रस्तुत करते समय बैंक इन विवरणों की पुष्टि करेगा; अगर सब सही होगा तो चेक क्लियर होगा, अन्यथा चेक जारीकर्ता को विवरण दोबारा जमा करना होगा।

मैहर में रावण दहन के बाद हुआ बड़ा हादसा,पुतले का ढांचा अचानक गिरा... बाल-बाल बचे नगर पालिका कर्मी

मैहर,03अक्टूबर 2025 (ए)। श्रद्धालुओं ने गाजे-बाजे के साथ मां को विदाई दी; विजयादशमी पर्व हर्षोल्लास से संपन्न मैहर में विजयादशमी का पर्व हर्षोल्लास और पारंपरिक धूमधाम के साथ मनाया गया.इस अवसर पर रावण दहन और दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन संपन्न हुआ.श्रद्धालुओं ने गाजे-बाजे के साथ मां दुर्गा को विदाई दी.रावण दहन के बाद जला ढांचा अचानक गिर गया बाल बाल बच्चे नगर पालिका कर्मी.हालांकि इससे कोई हादसा नहीं हुआ. नगर दशहरा समिति की ओर से वर्षों से इस पर्व का आयोजन किया जा रहा है.जिला प्रशासन ने इस साल भी प्रतिमा विसर्जन के लिए बंधा, सोनवारी, तमस और घुसड़ू नदी किनारे विशेष कुंड बनवाए थे.सुरक्षा के लिए पुलिस बल और प्रशासनिक अधिकारी तैनात किए गए थे, साथ ही प्रतिमाओं के विसर्जन हेतु क्रेन की व्यवस्था भी की गई थी।विजयादशमी पर नगर में शोभायात्रा निकाली. दशहरे का शुभारंभ मैहर राजघराने के महाराज अक्षय राज सिंह जूदेव ने मैहर किले में बांके बिहारी की पूजा-अर्चना के साथ किया.इसके बाद शोभायात्रा नगर की पुरानी बस्ती, घंटाघर और कटरा बाजार से होते हुए विसर्जन स्थल की ओर बढ़ी।

सीबीआई ने दो अधिकारियों को रिश्वतखोरी के मामलों में किया गिरफ्तार

नई दिल्ली,03 अक्टूबर 2025 (ए)। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने दो अलग-अलग मामलों में दो सरकारी अधिकारियों को रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अधिकारियों में गांधीनगर (गुजरात) के कंट्रोलर जनरल ऑफ डिफेंस अकाउंट्स (सीजीडीए) के ऑडिटर अशोक कुमार जादव और नांदेड़ (महाराष्ट्र) स्थित डिविजनल रेलवे अस्पताल के मुख्य कार्यालय अधीक्षक लक्ष्मीशंकर माथुरप्रसाद शामिल हैं। सीबीआई के मुताबिक पहले मामले में आरोप है कि ऑडिटर अशोककुमार जादव ने पुणे एयरफोर्स बेस पर सीसीटीवी सप्लाई ऑर्डर की फाइल पास करने के लिए चार लाख रुपये (बोली राशि ढाई करोड़ रुपये का 2 प्रतिशत) रिश्वत मांगी। शिकायत पर कार्रवाई करते हुए सीबीआई ने 30 सितंबर को उन्हें साढ़े तीन लाख रुपये रिश्वत लेते रंगेहाथ पकड़ लिया। आरोपित को अहमदाबाद से ट्रांजिट रिमांड लेकर विशेष न्यायाधीश, पुणे के समक्ष पेश किया गया।

ग्लोबल झटकों को झेल सकता है भारत : सीतारमण

2047 तक डेवलप्ड इकोनॉमी बनने का टारगेट,इसके लिए 8% ग्रोथ रेट जरूरी

नई दिल्ली,03 अक्टूबर 2025 (ए)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि मौजूदा ग्लोबल उथल-पुथल का भारत की जीडीपी ग्रोथ पर सीमित प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा कि भारत बाहरी दबाव सहने और व्यापार-ऊर्जा असंतुलन से निपटने में सक्षम है। सीतारमण ने बताया कि भारत का टारगेट 2047 तक डेवलप्ड इकोनॉमी बनना है। विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए 8% की ग्रोथ रेट की जरूरत है। शुक्रवार को नई दिल्ली में चौथे कौटिल्य इकोनॉमिक कॉन्क्लेव का उद्घाटन करते हुए वित्त मंत्री ने यह बात कही। सीतारमण ने कहा कि भारत का टारगेट 2047 तक विकसित अर्थव्यवस्था बनना है। साथ ही आत्मनिर्भरता को मजबूत करना है। हालांकि,उन्होंने स्पष्ट किया कि आत्मनिर्भरता का मतलब क्लोज्ड इकोनॉमी यानी बंद अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ना नहीं है। विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए 8% की ग्रोथ रेट की जरूरत है। भारतीय रिजर्व बैंक ने हाल ही में हुई एमपीसी की मीटिंग में देश की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 6.5% से बढ़ाकर 6.8% किया है। वित्त मंत्री ने कहा कि ग्लोबल सिस्टम यानी वैश्विक व्यवस्था बदल रही है और इंटरनेशनल इंस्टीट्यूशंस अब वर्ल्ड कम्युनिटी का भरोसा खो रही हैं। हाल की जी20 मीटिंग का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि एक्सपर्ट्स ने इन इंस्टीट्यूशंस में सुधार की जरूरत पर चर्चा की, ताकि वैश्विक स्थिरता बहाल हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि अंतरराष्ट्रीय नियमों को नए सिरे से लिखा जा रहा है और सामने आने वाली चुनौतियां बहुत बड़ी हैं। नया ग्लोबल बैलेंस कई कारकों को ध्यान में रखकर बनाना होगा। सीतारमण ने यह भी कहा कि कम निवेश और अस्थिर एनर्जी प्राइस जैसे मुद्दों से वैश्विक आर्थिक माहौल में अनिश्चितता बढ़ रही है।

भारत की इकोनॉमिक ग्रोथ की रीढ़ डोमेस्टिक फैक्टर्स

सीतारमण ने कहा कि भारत की इकोनॉमिक ग्रोथ की रीढ़ डोमेस्टिक फैक्टर्स यानी घरेलू कारक हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया अनिश्चितता और अस्थिरता के दौर से गुजर रही है। जिसे वे एक टेम्पररी डिसरप्शन यानी रुकावट के बजाय स्ट्रक्चरल बदलाव मानती हैं।

कौटिल्य इकोनॉमिक कॉन्क्लेव 5 अक्टूबर तक चलेगा

इस साल कौटिल्य इकोनॉमिक कॉन्क्लेव की थीम उथल-पुथल भरे समय में समृद्धि की तलाश है। इस बार केईसी में 30 से ज्यादा देशों के 75 फॉरेन रिप्रेजेंटेटिव सहित कई एक्सपर्ट्स हिस्सा ले रहे हैं। यह कॉन्क्लेव 5 अक्टूबर को खत्म होगा। इसका समापन केंद्रीय विदेश मंत्री एस जयशंकर करेंगे।

ट्रम्प टैरिफ पर पुतिन का वार:मैं पीएम मोदी को जानता हूं, भारत कभी अपमान स्वीकार नहीं करेगा

सोची,03 अक्टूबर 2025 (ए)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने तेल खरीद के मुद्दे पर अमेरिकी दबाव की आलोचना की और कहा कि भारत झुकने वाला नहीं है। उन्होंने सोची शहर में गुरुवार को आयोजित वाल्दाई पॉलिसी फोरम को संबोधित करते हुए यह कहा कि पीएम मोदी कभी भी ऐसा फैसला नहीं करेंगे, जो भारत की संप्रभुता के खिलाफ हो। पुतिन ने कहा कि अगर रूस के ट्रेड पार्टनर्स पर ऊंचे टैरिफ लगाए गए, तो इसका असर पूरी दुनिया की ऊर्जा कीमतों पर पड़ेगा। कीमतें बढ़ेंगी और अमेरिकी फेडरल रिजर्व को मजबूरी में ब्याज दरें ऊंची रखनी होंगी,जिससे अमेरिकी अर्थव्यवस्था धीमी पड़ जाएगी। पुतिन ने चेतावनी दी कि अगर भारत रूसी तेल खरीदना बंद करता है, तो उसे 9 से 10 अरब डॉलर का नुकसान उठाना पड़ेगा। पुतिन ने कहा कि भारत जैसे देश में लोग अपने नेताओं के फैसलों पर नजर रखते हैं और वे कभी नहीं चाहेंगे कि उनका देश किसी के सामने झुके। पुतिन ने यह भी कहा कि रूसी तेल के बिना दुनिया की भी अर्थव्यवस्था को नुकसान होगा और यदि इसकी आपूर्ति बंद हो जाती है तो तेल की कीमतें प्रति बैरल 100 डॉलर से भी ऊपर बढ़ सकती हैं।

भारत के साथ व्यापार असंतुलन को ठीक करने की सलाह दी...

पुतिन ने मोदी का दोस्त बताते हुए कहा कि वह उनके साथ भरोसे के साथ बातचीत कर सकते हैं। रूसी राष्ट्रपति ने दिसंबर की शुरुआत में होने वाली अपनी भारत यात्रा को लेकर खुशी जताई। उन्होंने अपनी सरकार को यह भी निर्देश दिया कि भारत के बड़े पैमाने पर कच्चे तेल खरीदने की वजह से जो व्यापार असंतुलन बना है, उसे दूर करने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। पुतिन ने कहा कि भारत चाहे तो व्यापार असंतुलन को ठीक करने के लिए रूस से और ज्यादा कृषि उत्पाद और दवाइयां खरीद सकता है। अपने भाषण में पुतिन ने अमेरिका पर भी कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि भारत जैसे देशों पर रूसी ऊर्जा न खरीदने का दबाव डालता है, जबकि खुद यूरेनियम के लिए रूस पर निर्भर है।

यूरोपीय देशों से कहा...रूस का डर भूलकर चैन से सोएं

पुतिन ने कहा कि यूरोपीय संघ के नेता अपने देश की समस्याएं ठीक करने के बजाय लोगों में दहशत फैला रहे हैं और युद्ध का डर दिखा रहे हैं। वे बार-बार अपने लोगों से कहते रहते हैं कि रूस नाटो देशों पर हमला करने वाला है। मैं उनसे यही कहूंगा कि उन्हें इस बात को भूलकर चैन से सोना चाहिए। पुतिन ने कहा कि जो नेता ऐसी बातें फैलाते हैं, वे या तो बेहद नाकाबिल हैं या फिर चालाकी से अपने नागरिकों को धोखा दे रहे हैं, ताकि असली मुद्दों को जनता भूल जाए। पुतिन ने यह भी कहा कि रूस के पास कमजोर होने का कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा कि इतिहास गवाह है कि रूस कभी भी कमजोर नहीं पड़ा। जो रूस को हराने के सपने देख रहे हैं वे कभी रूस को उकसाने की कोशिश न करें। उन्हें हमेशा इसका नुकसान उठाना पड़ेगा। पुतिन ने कहा कि इसमें कभी कोई शंका नहीं है और आगे भी नहीं होगी।

चैतन्यानंद 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया

नई दिल्ली, 03 अक्टूबर 2025 (ए)। छात्राओं के यौन शोषण का आरोपी स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती उर्फ पार्थ सारथी को पटियाला हाउस कोर्ट ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा है। चैतन्यानंद की पांच दिन की पुलिस हिरासत शुक्रवार को खत्म हो गई थी। जिसके बाद दिल्ली पुलिस उसे पटियाला हाउस कोर्ट लेकर पहुंची थी। वहीं,कोर्ट ने चैतन्यानंद ने 3 आवेदनों पर पुलिस से जवाब मांगा है। इसमें उसकी चीजों की सूची, केस की जानकारी,संन्यासी के खाने-पीने,कपड़े,दवाइयां और किताबें देने की बात शामिल है। इधर,दिल्ली पुलिस ने चैतन्यानंद की तीन करीबी महिला सहयोगियों को गिरफ्तार किया है।

पूछताछ में महिला सहयोगियों ने माना कि उन्होंने चैतन्यानंद के कहने पर छात्राओं पर दबाव बनाया। रिपोर्ट के अनुसार, गिरफ्तार महिलाओं में श्री शारदा इंस्टीट्यूट की श्वेता शर्मा (एसोसिएट डीन),भावना कपिल (एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर) और काजल (सीनियर फैकल्टी) शामिल हैं। इन तीनों पर अपराध में बाबा का सहयोग, शिकायतकर्ताओं को धमकाने और सबूत नष्ट करने के आरोप हैं। पुलिस की जांच में यह भी सामने आया है कि उत्तराखंड के अल्मोड़ा में एक गेस्ट हाउस में चैतन्यानंद महिला छात्रों के साथ रुका था। वहां के स्थानीय लोगों ने भी इसकी पुष्टि की है। वहीं, पुलिस को चैतन्यानंद के फोन से डिजिटल सबूत भी मिले हैं। इनमें वह एक वॉट्सएप ग्रुप में छात्राओं की फोटो पर आपत्तिजनक कमेंट कर रहा है।

पूर्णिया में वंदे भारत से कटकर 4 भाइयों की मौत

एक गंभीर,ट्रैक पार कर रहे थे,अचानक ट्रेन आ गई

पूर्णिया,03 अक्टूबर 2025 (ए)। पूर्णिया में शुक्रवार सुबह दशहरे का मेला देखकर लौट रहे 5 बच्चे वंदे भारत की चपेट में आ गए। इनमें से 4 बच्चों की मौके पर मौत हो गई। एक की हालत गंभीर है। घायल को पूर्णिया मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। सभी एक ही परिवार से थे और रिश्ते में भाई थे। बच्चे बनमनखी प्रखंड के जानकीनगर थाना क्षेत्र के ठाकुरपट्टी वार्ड 4 के रहने वाले हैं। मृतकों की पहचान सुंदर कुमार (15), सिंटू कुमार (14), जिगर कुमार (14) और रोहित कुमार (15) के रूप में हुई है। घायल का नाम कुलदीप कुमार (12) है। सभी महादलित परिवार से हैं। ट्रेन की चपेट में आने से एक का कमर से नीचे का हिस्सा और दोनों हाथ कट गया। दूसरे के सिर के पीछे हिस्से में चोट लगी और तीसरे के ब्रेन में चोट लगी। एक का हाथ कटकर अलग हो गया। जबकि घायल के दोनों पैर ट्रेन की चपेट में आ गए हैं। हादसा कसबा थाना क्षेत्र के कटिहार-जोगबनी रेलखंड पर जवनपुर के पास हुआ। हादसे के वक्त मौके पर मौजूद लोगों ने बताया, सभी लोग रेलवे ट्रैक पार कर रहे थे। जोगबनी से दानापुर जा रही वंदे भारत एक्सप्रेस वहां से गुजरी। ट्रेन सभी को उड़ाते हुए निकल गई। ट्रेन की रफ्तार इतनी तेज थी कि किसी को संभलने का मौका ही नहीं मिला। मृतक श्यामसुंदर के पिता ब्रह्मदेव ऋषि ने बताया कि सभी मेला देखने कसबा गए थे।

ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान के 12 एयरक्रॉफ्ट तबाह:एयरचीफ मार्शल

नई दिल्ली,03 अक्टूबर 2025 (ए)। वायुसेना प्रमुख एयरचीफ मार्शल एपी सिंह ने शुक्रवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान के करीब 12 विमान तबाह किए गए थे। वायुसेना प्रमुख के हवाले से बताया कि भारतीय सेना ने पाकिस्तान के पांच फाइटर जेट और एक सी-130 कैटैगरी के विमान को जमीन पर तबाह किया। ये विमान पाकिस्तान के एयरबेस पर खड़े थे। वहीं इंडियन एयरफोर्स ने 300 किलोमीटर से ज्यादा की मारक क्षमता वाली (सतह से हवा में मार करने वाली) मिसाइल से हवा में पाकिस्तान के 6 विमानों को मार गिराया। इसमें पांच फाइटर जेट या तो एफ-16 या जेएफ-17 थे। वहीं एक सिग्नल इंटेलिजेंस विमान था। एपी सिंह ने आगे कहा कि पाकिस्तान की तरफ से भारत के जेट गिराने के दावे सिर्फ मनोहर कहानियां जैसे हैं। अगर उनके पास कोई सबूत हैं तो दिखाएं। दो महीने में यह दूसरी बार है, जब एयरफोर्स चीफ ने पाकिस्तान के हुए नुकसान की जानकारी दी। इससे पहले 9 अगस्त को उन्होंने कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के 5 लड़ाकू विमान गिराए गए थे।

पाक के दावों पर मैं बात क्यों करूं : एपी सिंह

अगर उन्हें लगता है कि उन्होंने हमारे (भारत) 15 जेट मार गिराए हैं, तो उन्हें सोचने दीजिए। मैं इसके बारे में बात क्यों करूं? आज भी, मैं इस बारे में कुछ नहीं कहूंगा कि क्या हुआ, कितना नुकसान हुआ, कैसे हुआ, क्योंकि उन्हें पता करने दीजिए। क्या आपने एक भी तस्वीर देखी है जहां हमारे किसी एयरबेस पर कुछ गिरा हो, हमें कोई टक्कर लगी हो, कोई हैंगर तबाह हुआ हो,या ऐसा कुछ?

हरियाणा में पहले 2 जिलों में विकास हुआ,सरकारों ने नौकरियों को बर्बाद-बदनाम किया,हमने दोनों सिस्टम खत्म किए:शाह

कुरुक्षेत्र,03 अक्टूबर 2025 (ए)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह हरियाणा दौरे पर रहे। रोहतक में उन्होंने साबर डेयरी प्लांट का उद्घाटन किया। इसके बाद वह कुरुक्षेत्र पहुंचे। यहां उन्होंने 3 नए आपराधिक कानूनों पर आधारित प्रदर्शनी देखी। साथ ही 12 जिलों के 825 करोड़ के प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन व शिलान्यास भी किया। अमित शाह ने कहा- पहले प्रदेश में यह होता था कि एक सरकार आती थी तो एक जिले का विकास होता था, और दूसरी सरकार आती थी तो दूसरे जिले का विकास होता था। भाजपा सरकार ने पूरे प्रदेश में समान रूप से विकास किया है। हरियाणा में नौकरियों की व्यवस्था को बर्बाद और बदनाम कर दिया था, लेकिन भाजपा ने यहां पर्ची और खर्ची दोनों सिस्टम को खत्म कर दिया। अमित शाह ने कहा, मैं हरियाणा की जनता को मोदी जी की दो बातें भी बताता हूं। एक तो मोदी जी ने दीपावली से पहले ही जीएसटी में बहुत सारे बदलाव कर 395 चीजों के रेट कम करके बदलाव किया है। ये बहुत बड़ा तोहफा है,जिसके कारण नवरात्रि में ढेर सारी खरीददारी दर्ज की गई है। भारत के हर घर, हर उपभोक्ता को यह तय करना है कि वह स्वदेशी ही खरीदें। स्वदेशी का मंत्र महात्मा गांधी ने आजादी के आंदोलन में दिया था। उस आंदोलन के जरिए उन्होंने अंग्रेजों को कड़ी चेतावनी भी दी थी। आज हमारे देश के प्रधानमंत्री ने स्वदेशी का जो नारा दिया है, वह 2047 में महान भारत बनाकर ही दम लेगा। अगर हम हर चीज हमारे देश में बनी चीजें खरीदें तो यह दुनिया का बड़ा बाजार बन जाएगा। हमारे प्रधानमंत्री देश की अर्थव्यवस्था को 11वें से चौथे नंबर पर लाए हैं, लेकिन हरियाणा वालों, यह बताओ, क्या यह चौथा नंबर ठीक है? यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम देश में ही बनी चीजों को खरीदें। दीपावली आने वाली है, दशहरा मनाया जा चुका है। हरियाणा के लोग संकल्प लें कि वे देश में बनी ही चीजों की खरीद-फरोख्त करें। अमित शाह ने कहा, मैं मानता हूं कि हमारी सरकारों की अनेक उपलब्धियां हैं, उसमें सबसे बड़ी उपलब्धि है खर्ची-पर्ची के बगैर मेरिट के आधार पर नौकरियां देना। मैं पूरे हरियाणा की जनता की ओर से नायब सिंह सैनी को बहुत-बहुत बधाई देता हूं। आज यहां पर एक विशाल प्रदर्शनी लगाई गई है, यह प्रदर्शनी अंग्रेजों के बनाए कानूनों को समाप्त करके संसद में पारित हुए तीन नए आपराधिक कानूनों की जानकारी देने के लिए है। मैं आज पूरे हरियाणा की जनता से कहना चाहता हूं कि वे सभी इस प्रदर्शनी को एक बार जरूर देखें।

शाह ने कहा...डंडों की जगह तथ्यों पर काम हो रहा

अमित शाह ने कहा, कई सारी चीजें ऐसी हैं जो मैं बाद में बताऊंगा। मैंने अभी डीजीपी से पूछा कि पहले आपके सजा कराने की दर क्या थी, तो उन्होंने बताया कि अंदाजन 40% थी, लेकिन अब कानून बनने के बाद जितने भी जजमेंट आए हैं, उनमें दोष सिद्धि की दर 80% पहुंच गई है। जब मैंने संसद में यह बात बोली तो विपक्ष ने कहा कि आप बोल तो रहे हैं, लेकिन यह हो नहीं पाएगा। मैं हरियाणा सरकार को बधाई देना चाहता हूं कि मैंने तो 75% कहा था, लेकिन आपने तो 80% कर दिया। नरेंद्र मोदी जी ने कहा है कि सिटीजन फर्स्ट, जस्टिस फर्स्ट, और इन्हीं सिद्धांतों पर इन तीनों कानूनों को बनाया गया है। आज पुलिस डंडे की जगह तथ्यों पर काम कर रही है। इन कानूनों की वजह से पांच विभागों को ऑनलाइन जोड़ा गया है। इसके अंतर्गत महिला और बच्चों के लिए अलग व्यवस्था की गई है। सात साल से ज्यादा की सजा वाले अपराधों में सभी एफएसएल जांच को अनिवार्य कर दिया गया है।

डीएफसीसीआईएल ने अबू धाबी में ग्लोबल रेल 2025 में दिखाई भारत की नई रेल दृष्टि

अबू धाबी,03 अक्टूबर 2025 (ए)। अबू धाबी के ग्लोबल एडीएनईसी सेंटर में आयोजित तीन दिवसीय ग्लोबल रेल 2025 सम्मेलन एवं प्रदर्शनी का गुरुवार को सफल समापन हुआ। इसमें दुनिया भर के 40 देशों से आए करीब 15 हजार विशेषज्ञों ने भाग लिया। इस वैश्विक मंच पर भारतीय रेल, डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (डीएफसीसीआईएल), इरकॉन और राइट्स के वरिष्ठ अधिकारियों ने भारत की भविष्य की परिवहन रणनीतियों और आधुनिक रेल नेटवर्क पर विचार साझा किए। अबू धाबी के एतिहाद रेल की ओर से आयोजित इस सम्मेलन के दौरान सड़क मार्ग से माल ढुलाई को आधुनिक रेल पर शिफ्ट करने,मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक पार्क,स्मॉल कार्गो सेवा और गति शक्ति कार्गो टर्मिनल तथा डिजिटल एकीकरण जैसे विषयों पर गहन चर्चा हुई। डीएफसीसीआईएल के प्रबंध निदेशक प्रवीण कुमार ने बताया कि सम्मेलन में स्मार्ट मोबिलिटी, हाई-स्पीड रेल, हरित अवसंरचना और वित्तपोषण रणनीतियों पर विशेष रूप से विचार-विमर्श किया गया। इसका उद्देश्य रेल परिवहन को अधिक टिकाऊ,कुशल, पर्यावरण-अनुकूल और आधुनिक स्वरूप प्रदान करना था। उन्होंने बताया कि डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर भारत की आर्थिक वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है और इससे मालगाड़ियों को बिना किसी व्यवधान तेज गति से समय पर संचालित किया जा सकता है। यह प्रणाली लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन नेटवर्क को मजबूती देती है, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापार और आपूर्ति सुचारु बनती है। सम्मेलन में डीएफसीसीआईएल की उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं को भी विस्तार से प्रस्तुत किया गया। विशेष रूप से डेडिकेटेड हाई-स्पीड फ्रेट कॉरिडोर की संभावनाओं को अंतरराष्ट्रीय मंच पर साझा किया गया। कार्यक्रम में भारतीय मंडप का संयुक्त उद्घाटन भारत के यूएई राजदूत संजय सुधीर, डीएफसीसीआईएल के प्रबंध निदेशक प्रवीण कुमार, आरआईटीईएस के सीएमडी राहुल मित्तल सहित भारतीय रेलवे, आईआरसीओएन और डीएफसीसी आईएल के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने किया।

संपादकीय

मेहनत की कमाई में सेंध

कैसी विडंबना है कि भोले-भाले लोगों से छल करके खून-पसीने से हासिल जीवनभर की पूंजी ऑनलाइन डकैती में लूट ली जाती है। जिसकी वापसी के लिए तंत्र की कोई जवाबदेही और कानून-व्यवस्था से कोई गारंटी सुनिश्चित नहीं है। जब तंत्र लगातार ऑनलाइन सेवाओं के उपयोग के लिये प्रेरित करता है तो उसे जनधन की सुरक्षा की गारंटी भी सुनिश्चित करनी चाहिए। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो यानी एनसीआरबी द्वारा जारी हालिया आंकड़े इस संकटपूर्ण स्थिति का खुलासा करते हैं। एनसीआरबी की रिपोर्ट खुलासा करती है कि वर्ष 2023 में साइबर क्राइम की घटनाओं में 31.2 प्रतिशत की तेज वृद्धि देखी गई है। जिसके आने वाले वर्षों में और अधिक होने की आशंका जतायी जा रही है। जो इस बात का प्रमाण है कि ऑनलाइन धोखाधड़ी से निबटना अब दिन-प्रतिदिन मुश्किल होता जा रहा है। निश्चित रूप से साइबर क्राइम से जुड़े अपराधों के आंकड़े जुटाने की एनसीआरबी की पहल महत्वपूर्ण है, जो इस संकट से निबटने की अंतर्दृष्टि प्रदान करती है। लेकिन महत्वपूर्ण यह है कि हम इन अपराधों से निबटने के लिये कैसे रणनीति बनाते हैं। साथ ही आम लोगों को जागरूक करने की जरूरत है कि कैसे वे साइबर अपराधियों के संजाल में फंसने से बच सकते हैं। यूं तो डेटा सुरक्षा के लिये तमाम दिशा-निर्देश सरकार के विभिन्न संगठनों की तरफ से दिए जाते हैं,लेकिन आज भी पुरानी पीढ़ी के तमाम लोग ऐसे हैं जो ऑनलाइन सुविधाओं के उपयोग को लेकर पर्याप्त रूप से साक्षर नहीं होते। ऐसे में लोगों को जागरूक करना जरूरी है कि दैनिक जीवन में ऑनलाइन सेवाओं का उपयोग करते हुए अपने गोपनीय डेटा की सुरक्षा कैसे करें। लेकिन विडंबना यह है कि साइबर अपराधी नित नए तौर-तरीकों से लोगों को लूटने लगते हैं। कुछ समय पहले साइबर लुटेरों ने स्पूफिंग तकनीक से लोगों को शिकार बनाना शुरू किया। वे सोशल मीडिया अकाउंट में घुसपैठ करके धन की उगाही करने लगते। व्यक्ति को संकट में दिखाकर उसके रिश्तेदारों से धन ऐंठने लगते। विडंबना यह है कि साइबर ठगी की तकनीक उपभोक्ताओं के मोबाइल नंबरों और ई-मेल खातों तक भी पहुंच गई। दरअसल,कभी हैकिंग,तो कभी स्पूफिंग के कपटपूर्ण छल का मकसद लोगों की जमा-पूंजी को निशाना बनाना ही रहा है। दरअसल, जब तक लोग ठगी के इन तौर-तरीकों को समझ पाते,साइबर ठग नई तकनीक के सहारे लोगों को भ्रमित कर चूना लगाने की नई कोशिश में लग जाते हैं। ऐसे में साइबर अपराधों के बढ़ते मामलों के बीच सवाल उठता है कि हमारा तंत्र इन घटनाओं में पर प्रभावी रोक लगाने में कामयाब क्यों नहीं हो पाता। आखिर फोन व कंप्यूटर में मजबूत एंटी वायरस और इंटरनेट सुरक्षा सॉफ्टवेयर क्यों कामयाब नहीं होते। आखिर क्यों साइबर घुसपैठ के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं हो पाती। इन पर रोक के लिये कोई कारगर व्यवस्था व मैकेनिज्म क्यों नहीं बन पा रहा है। दूरसंचार नियामक ट्राई की अपनी सीमाएं हैं। संकट यह भी है कि ज्यादातर साइबर अपराध की घटनाएं प्रॉक्सी यानी सर्वर या फिर वीपीएन यानी वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क के जरिये अंजाम दी जाती हैं। ज्यादातर अपराध भारत के बाहर से संचालित होते हैं। यही वजह है कि जालसाज विदेश में बैठकर भी भारत के अपराधियों की मदद से धोखाधड़ी का नेटवर्क बना लते हैं। इससे वे भारतीय नागरिकों को चपत लगाने में सफल हो जाते हैं। निस्संदेह,ऐसे मामलों में व्यक्तिगत सावधानी और सजगता-सतर्कता मददगार साबित हो सकती है। खासकर इंटरनेट बैंकिंग का प्रयोग करते वक्त अतिरिक्त सावधानी से ऐसी धोखाधड़ी से बचा जा सकता है। लोगों को याद रखना चाहिए कि कभी बैंक का कोई अधिकारी खाताधारक से निजी व गोपनीय जानकारी नहीं पूछता है। वो कभी फोन व ई-मेल से ऐसी जानकारी नहीं मांगता है। इसलिए जरूरी है कि यदि कोई व्यक्ति बैंक खाते की सुरक्षा से जुड़े पासवर्ड,पिन, सीवीवी तथा खाता नंबर की जानकारी मेल या फोन से मांगता है तो उसे नजरअंदाज करना चाहिए।

हर साल 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के साथ-साथ मनाई जाती है लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती

हमारे देश में हर साल 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के साथ-साथ लाल बहादुर शास्त्री जयंती भी मनाई जाती है! इस सार्वजनिक स्थलों, कार्यालयों, शिक्षा संस्थानों आदि पर विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं और भारत के इन दो महासपूतों कोभावभीनी श्रद्धांजलि देकर उनकी जयंती मनाई जाती है। हमारे देश में इन दोनों महापुरुषों का अपना अपना महत्वपूर्ण योगदान है। इस समय हम भारत के दूसरे प्रधानमंत्री,श्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के बारे में बातचीत कर रहे हैं। श्री लाल बहादुर शास्त्री ईमानदार,दृढ़निश्चयी,परिश्रमी तथा सरल जीवन व्यतीत करने वाले थे।

प्रोफेसर शाम लाल कौशल
रोहतक,हरियाणा

लाल बहादुर शास्त्री का जन्म 2 अक्टूबर, 1904 में बेगूसराय में हुआ जो की वाराणसी से लगभग 8 मील दूर है! उनके पिता एक प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक थे उन्हें सब मुंशी जी कहते थे बाद में उन्होंने राजस्व विभाग में नौकरी कर ली। अभी वह डेढ़ वर्ष के थे कि उनके पिताजी का देहांत हो गया । इसलिए यह नानी के घर में आ गए जहां इनका लालन-पालन तथा शिक्षा की प्राप्ति हुई। उनकी माता का नाम रामदुलारी था लाल बहादुर तीन भाई बहन थे। जब लाल बहादुर पढ़ते थे तू गंगा नदी पार करके जाते थे। उसके बाद वह काशी विद्यापीठ में पढ़ने चले गए जहां से उन्होंने शास्त्री की डिग्री पास की। इसके बाद इन्होंने अपने नाम लाल बहादुर श्रीवास्तव के बदले में लाल बहादुर शास्त्री लिखना शुरू किया। अपने शिक्षक निष्कामेश्वर प्रसाद मिश्र से प्रेरित होकर स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेना शुरू किया। 1921 में बनारस में वह महात्मा गांधी और पंडित मदन मोहन मालवीय द्वारा आयोजित एक सार्वजनिक सभा में भाग लिया। जब वह दसवीं में थे तो पढ़ाई छोड़कर स्वतंत्रता संग्राम में शामिल हो गए। और महात्मा गांधी की शिक्षाओं का पालन करते हुए उन्होंने सर्वेंट ऑफ़ पीपल समिति की सदस्यता ग्रहण कर ली 1927 में उनका विवाह ललिता देवी से हो गया। उन्होंने दहेज में एक चरखा सूत से बने हुए कुछ मीटर कपड़े लिए। 1930 में उन्होंने गांधीजी द्वारा नमक कानून तोड़ने के लिए दांडी आंदोलन मैं हिस्सा लिया। उनको कई बार जेल भेजा गया। जब वह जेल में थे तब उन्हें ?50 मासिक मिलते थे जिसे वह अपने परिवार के पास भेजे थे। जब उन्हें पता चला कि उनके परिवार का गुजारा ?40 में हो जाता है तो उन्होंने ?10 सर्वेंट ऑफ़ पीपल समिति को देने के लिए कहा जो कि लोगों के कल्याण के लिए कार्य करती थी। 1946 के बाद जब सरकार का गठन हुआ तो उन्हें यूपी का संसदीय सचिव बना दिया गया। उसके बाद वह दिल्ली आ गए और जवाहरलाल नेहरू ने उनको 1951 में कांग्रेस का जनरल सेक्रेटरी बना दिया। पंडित जवाहरलाल नेहरू के मंत्रिमंडल में उन्होंने गृहमंत्री तथा रेल मंत्री की जिम्मेवारी कुशलता के साथ निभाई। जब वह रेल मंत्री थे तो रेल दुर्घटना हो गई। उन्होंने इसकी नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए त्यागपत्र दे दिया परंतु नेहरू जी ने इसे स्वीकार नहीं किया। बाद में जब एक बार फिर रेल दुर्घटना हुई तो उन्होंने नैतिकता के आधार पर त्यागपत्र दे दिया। इनके इस त्यागपत्र को नेहरू जी ने संसद में घोषणा करके स्वीकार करते हुए कहा.... बेशक रेल दुर्घटना में शास्त्री जी का कोई कसूर नहीं है फिर भी उनका त्यागपत्र एक उदाहरण स्थापित करने के लिए स्वीकार किया जा रहा है। 1964 में जब पंडित जवाहरलाल नेहरू का निधन हुआ तब कांग्रेस अध्यक्ष के. कामराज थे। कांग्रेस कमेटी ने उनकी अध्यक्षता में लाल बहादुर शास्त्री को प्रधानमंत्री का पदभार सौंपने का निर्णय किया। लाल बहादुर शास्त्री 1964 से 66 तक 18 महीने प्रधानमंत्री रहे।

क्योंकि 1962 में चीन ने भारत पर आक्रमण करके हमें बुरी तरह परास्त कर दिया था इसलिए पाकिस्तान ने लाल बहादुर शास्त्री के प्रधानमंत्री काल में भारत को कमजोर समझते हुए 1965 में आक्रमण कर दिया। लाल बहादुर शास्त्री ने इस युद्ध के दौरान देश को...जय जवान,जय किसान...का नारा दिया। इसका उद्देश्य सैनिकों को युद्ध के लिए प्रोत्साहित करना था! इस युद्ध में भारत ने पाकिस्तान को धूल चटा दी। संयुक्त राष्ट्र के दबाव में आकर भारत और पाकिस्तान में युद्ध रोकने के लिए संयुक्त सोवियत संघ के ताशकंद में पाकिस्तान के राष्ट्रपति अयूब खान तथा भारत के प्रधानमंत्री,लाल बहादुर शास्त्री के बीच समझौता हुआ जिसके मुताबिक भविष्य में दोनों देशों में विभिन्न समस्याओं को हल करने के लिए युद्ध के बदले में बातचीत का रास्ता इस्तेमाल किया जाएगा । लेकिन इस समझौते के एक दिन के बाद ही लाल बहादुर शास्त्री की मृत्यु हो गई। मृत्यु होने पर क्योंकि पोस्टमार्टम नहीं कराया गया इसलिए कुछ लोगों का कहना है कि इन्हें जहर दिया गया था लेकिन इस बात का कोई सबूत आज तक नहीं मिला। लाल बहादुर शास्त्री ने दुनिया को दिखा दिया कि भारत दुनिया में किसी के आगे नहीं झुकेगा।

लाल बहादुर शास्त्री के कार्यकाल की दूसरी बड़ी बात यह है कि उन दिनों भारत अमेरिका से प्राप्त अनाज पर निर्भर करता था और अमेरिका ने यह अनाज भारत को देना बंद कर दिया। अपने लोकप्रिय नारे... जय जवान,जय किसान...के द्वारा उन्होंने किसानों को प्रोत्साहित किया। मेक्सिको से उन्नत बीज मंगवाए गए और अनाज के उत्पादन को बढ़ाया गया धीरे-धीरे अनाज के मामले में आत्मनिर्भर हो गए। इस तरह शास्त्री जी ने देश मे....हरित क्रांति...का आधार तैयार किया। इस बात का श्रेय शास्त्री जी को जाता है कि अनाज के मामले में आज हम न केवल आत्मनिर्भर हैं बल्कि अनाज का निर्यात भी करते हैं। देश में अनाज की कमी को देखते हुए लाल बहादुर शास्त्री ने लोगों से हर सोमवार रात को उपवास रखने का सुझाव दिया। इन्होंने पहले यह सब अपने परिवार में करके दिखा उसके बाद ही इस नीति को सारे देश के लिए लागू किया। शास्त्री जी ईमानदार,दृढ़निश्चयी,परिश्रमी तथा सरल जीवन व्यतीत करने वाले थे। जब उनके बेटे कॉलेज में पढ़ते थे तो तांगे में बैठ कर जाते थे जबकि दूसरे मंत्रियों तथा अधिकारियों के बच्चे सरकारी कारों में बैठकर जाते थे। अपने बेटों के दबाव डालने पर शास्त्री जी ने ? 5000 में एक कर किस्तों में खरीदी। जब शास्त्री जी की मृत्यु हो गई उसके बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री, श्रीमती इंदिरा गांधी ने कार की बाकी रिश्ते माफ करने का प्रस्ताव किया लेकिन शास्त्री जी की पत्नी ललिता शास्त्री ने बाकी किस्तों को तब तक देना जारी रखा जब तक की कार की पूरी कीमत नहीं दी गई। लाल बहादुर शास्त्री की मृत्यु के बाद दिल्ली में उनकी याद में विजय घाट स्मारक बनाया गया है। मरणोपरांत उनको भारत रत्न से भी सम्मानित किया गया। उनके दो बेटे अनिल शास्त्री और सुनील शास्त्री अपने पिता की तरह सरल जीवन बिता रहे हैं।

बेशक लाल बहादुर शास्त्री का प्रधानमंत्री के तौर पर कार्यकाल बहुत कम रहा लेकिन इस कम समय में भी उन्होंने अपने सरल जीवन, ईमानदारी, परिश्रम, आसूलों पर कायम रहना, पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध को जीतना, अनाज के मामले में देश को आत्मनिर्भर बनाना, जय जवान, जय किसान नारा देना आदि के द्वारा आने वाले प्रधानमंत्री के लिए एक मिसाल कायम कर दी। शास्त्री जी की जयंती पर उन्हें शत शत नमन।

पशुओं को क्रूरता-पीड़ा नहीं, करुणा और प्यार दें

प्रमोद दीक्षित मलय
बांदा, उ.प्र.

वह 1991 के मार्च महीने के अंतिम सप्ताह का कोई दिन था। वातावरण में फागुन की मादकता घुली हुई थी। सूरज रात्रि विश्राम के लिए अपनी किरणें समेटने लगा था। मैं अपने कस्बे में संचालित एक कोचिंग इंस्टीट्यूट में कक्षा 10 के विद्यार्थियों का हिंदी का पीरियड पूरा घर के लिए निकल पड़ा था, तब मैं ऊंची कक्षा में विद्यार्थी था। कोचिंग की गली के मुहाने पर सड़क की बड़ी नाली के ऊपर रखे बेतरतीब लम्बे पत्थरों की दरार में एक गधा का पिछला बायां पैर बुरी तरह फंसा हुआ था। वह पैर निकालने की जितनी भी कोशिश करता, पैर उतना ही फंसता जा रहा था। गधा दर्द से कराह रहा था, लोग आ-जा रहे थे पर किसी को उस पर दया नहीं आ रही थी। मैं उसके बगल से निकल आगे दस कदम ही बढ़ा था कि मुझे अपनी अम्मा की सीख सहसा याद आई कि पशु-पक्षियों से प्रेम एवं करुणा का व्यवहार करना चाहिए। कभी उनको पीटना या चोट पहुंचाना उचित नहीं। संकट में उनकी मदद करनी चाहिए, कि तभी गधा दर्द के कारण जोर से रेंका। मेरे कदम स्वतः रुक गये और मैं यंत्रवत् मुड़ कर उसके निकट चला आया। देखा कि गधे का पैर दो पत्थरों की संकरी दरार में फंसा है,खुर वाला चौड़ा हिस्सा नीचे होने से पैर ऊपर नहीं आ रहा। मैं उसका पैर निकालने का निश्चय कर बैठ गया और हाथों से पैर पकड़ पीछे की ओर खींचने लगा। गधा तो जानवर ही था, उसे क्या पता कि मैं उसकी मदद कर रहा हूं, उसे दर्द के बंधन से मुक्त करने वाला हूं। इसलिए उसने पूरी ताकत से पैर को आगे की ओर खींचा और कुछ अजीब सी आवाज निकाल मेरे मुंह पर अपनी पूंछ मारी। ऐसा भी हो सकता है, इसकी मुझे कल्पना भी नहीं थी। मैं दूर हट गया, गधा दर्द से तड़प रहा था, पैर से खून रिसने लगा था। अब तक कुछ तमाशबीन जुट गये थे। मैंने मदद करने के लिए बुलाया पर कोई आगे नहीं बढ़ा। मैं फिर जुट गया, इस बार गधे ने पलट कर अपने मुंह से मुझे काटने की कोशिश की, और बचाव में मैं गिर पड़ा। मेरे चारों ओर हंसी के गोले फूट पड़े। एक बार तो मुझे बहुत शर्म भी आई कि कहां फंस गया पर अम्मा की सीख ने हिम्मत दी और अबकी बार ईश्वर का स्मरण कर दोनों हाथों से फुर्ती से गधे का पैर पकड़ कर पीछे की ओर बल लगाकर झटके से खींचा। जैसे चमत्कार हुआ,पैर पत्थरों से बाहर आ गया। गधा एकदम से भागा और फिर रुक कर पीछे मुड़ा और चारों पैर पटकते हुए जोर से कुछ-कुछ घोड़े जैसा हिनहिनाया, जैसे मेरा आभार व्यक्त कर रहा हो और फिर भाग गया। बहुत सालों बाद समझ में आया कि वह गधा नहीं खच्चर था। खच्चर गधा से बड़ा होता है तथा घोड़ी और गधे के संसर्ग से जन्म लेता है। खच्चर प्राकृतिक रूप से ही संतानोत्पत्ति में असमर्थ होते हैं।

उपर्युक्त प्रसंग मैंने आत्मश्लाघा में नहीं लिखा अपितु पशु-पक्षियों,पेड़-पौधों के प्रति अपनेपन का भावबीज माता-पिता एवं परिवार द्वारा कैसे रोपित किया जा सकता है,उसका एक उदाहरण मात्र दिया है। यह भाव परिवार में आज तक बना हुआ है। जब गतवर्ष इस लेखक के बच्चों ने गली के एक खुजली वाले मरगिल्ले पिल्ले को अपना कर घर-परिवार का प्यारा सदस्य मुन्नू बना लिया और इस 8 अप्रैल को मुन्नू का बर्थडे मनाकर उसे प्रेम,करुणा एवं आत्मीयता के सुधाजल से सिंचित किया। मेरी तो यह बहुत छोटी सी भूमिका है किंतु आज हजारों पशुप्रेमी घायल पशुओं को आश्रय दे चिकित्सा करते हुए समुचित देखभाल कर रहे हैं। प्रत्येक दिन सैकड़ों की संख्या में गाय, बैल, कुत्ते, बिल्ली, सियार, लोमड़ी, हिरन,नीलगाय, घोड़े,नेवले जैसे पालतू और जंगली जानवर सड़कों में वाहनों की टक्कर से हताहत होते हैं,जानकारी होते ही पशुप्रेमी जिन्हें यथासंभव तुरंत इलाज कर बचाने का प्रयास करते हैं। कुछ लोग संगठित होकर बेसहारा जानवरों के लिए चारा-भूसा,दाना-पानी और आश्रय की व्यवस्था कर रहे हैं। ये लोग मानव होकर भी देवदूत हैं। वे अपने कार्यों के द्वारा दुनिया को मौन संदेश दे रहे होते हैं कि पशु-पक्षियों के बिना हम मनुष्य अपूर्ण हैं। पिछले दिनों सोशल मीडिया के माध्यम से मिले पशुओं पर मानव की क्रूरता और शोषण के कुछ वीडियो देखकर मन व्यथित हुआ, चीत्कार कर उठा। मनुष्य के रूप में हम कितना निकृष्ट काम कर रहे हैं। मैंने देखा कि एक व्यक्ति अपनी कार से जंगल में उतर कर अपने दो पालतू कुत्तों को पेड़ से बांधकर घर भाग जाता है और कुत्ते किकिहाते उछलते रहते हैं। एक अन्य व्यक्ति चलती कार से खिड़की को खोल पालतू कुत्ते को सड़क पर छोड़ तेज रफ्तार से बढ़ जाता है और वह कुत्ता बहुत दूर तक कार के पीछे-पीछे दौड़ता है, गिरता है, फिर उठकर दौड़ता है। इन दोनों लोगों ने बड़े प्यार से कुत्ते के पिल्ले पाले होंगे पर अब वे उनके दिनचर्या में बाधक बन रहे होंगे तो बेजुबान जानवरों के प्रति ऐसा अमानवीय क्रूर व्यवहार कहां न्यायोचित है। यह मनुष्य का पतन है, जीवों के प्रति हिंसा है। कोई भी व्यक्ति किसी प्राणी को पीड़ा,दुख,पिटाई,कष्ट देकर कभी सुखी-संतुष्ट नहीं हो सकता। एक अन्य वीडियो में एक व्यक्ति एक भैंसे वाली गाड़ी पर उसकी वहन क्षमता से बहुत अधिक भार लादे हुए हैं और भैंसा को आगे बढ़ने के लिए लगातार उसके पुट्ठे पर कीलयुक्त नुकीली छड़ी चुभाते चमड़े की बेल्ट से पींठ पर मार रहा है। आप अवलोकन करें तो हमारे आसपास ऐसे तमाम दृश्य दिखाई पड़ जाएंगे जिन्हें देखकर देह सिहर उठेगी,हृदय कांप जाएगा। वर्तमान में सम्पूर्ण विश्व में भोजन, वस्त्र, औषधि, सौंदर्य उत्पाद, सजावटी वस्तुओं के निर्माण हेतु पशुओं का शिकार किया जा रहा है। पालतू पशुओं को पिंजड़ों-जंजीरों में रखना और प्रशिक्षण के समय भूखा रखने, पिटाई करने और अंग भंग करने जैसे व्यवहार न केवल हिंसा हैं बल्कि पीड़ा,दर्द और कराह से भरे हैं। पशुओं की रक्षा करें,प्यार दें, सम्मान दें। पशुओं में भी भावनाएं हैं वे प्यार महसूस करते हैं और प्यार जताते भी हैं। पशुओं के प्रति हिंसा,शोषण एवं क्रूरता के विरुद्ध आत्मीयता, करुणा एवं प्रेमपूर्ण व्यवहार करने, पशु अधिकारों के संरक्षण एवं कल्याण करने हेतु जागरूकता के प्रसार हेतु प्रत्येक वर्ष 4 अक्टूबर को विश्व पशु दिवस मनाया जाता है। सर्वप्रथम 24 मार्च, 1925 को बर्लिन (जर्मनी) में यह आयोजन किया गया। इटली के प्रकृति एवं पशु प्रेमी संत फ्रांसिस की स्मृति में 4 अक्टूबर, 1929 को इटली में आयोजित पशुप्रेमी सम्मेलन में हेनरिक जिमरमैन के प्रस्ताव पर प्रत्येक वर्ष 4 अक्टूबर को विश्व पशु दिवस मनाया जाने लगा। 2003 से नेचरवॉच फाउंडेशन द्वारा आयोजन किया जाता है, 2018 से एक थीम पर कार्यक्रम होते हैं।

लोकतांत्रिक व्यवस्था एवं विपक्ष का चेहरा

संजीव ठाकुर
रायपुर, छत्तीसगढ़

भारत का लोकतंत्र संविधान की सबसे मनमोहक और गौरवपूर्ण उपलब्धियों में से एक है। यह केवल शासन की प्रणाली ही नहीं है, बल्कि यह स्वतंत्र भारत के हर नागरिक की आवाज,उनके अधिकार,न्याय और समानता का स्वस्थ एवं महान प्रतीक है। लोकतंत्र की असली सुंदरता इसकी प्रजातांत्रिक स्वतंत्रता में है, जहाँ हर व्यक्ति–चाहे वह सांसद हो या आम नागरिक–अपने विचार व्यक्त कर सकता है और सुझाव दे सकता है और किसी भी गलत बात के विरुद्ध अपनी आवाज बुलंद कर सकता है। यही लोकतंत्र की मूल आत्मा है,जो भारतीय लोकतंत्र को जीवंत,सशक्त और गौरव शाली बनाती है। हालांकि,वर्तमान समय में यह देखा गया है कि मनोनीत विपक्ष और कुछ सांसद लोकतंत्र को कथित तौर पर बड़े खतरे में बता रहे हैं। उनके इस कथन से कभी-कभी मीडिया और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भ्रम फैलाया जाता है। यह दृश्य समाज में सवाल उठाता है क्या वास्तव में लोकतंत्र संकट में है, यह केवल बहस और आलोचना की प्रक्रिया का हिस्सा है या अपनी नाकामी और निष्क्रियता को पर्दे में रखने के लिए सत्ताधारी दल पर लोकतंत्र के खतरे का आह्वान कर आरोप लगाया जाता है। वास्तविकता यह है कि लोकतंत्र की मजबूती विपक्षी दलों के जिम्मेदार और संवेदनशील दृष्टिकोण में निहित है। संसद और विधानसभा में विपक्ष सरकार की नीतियों की समीक्षा करता है, सवाल उठाता है और सुधार की दिशा सुझाता है। यही लोकतंत्र की जिजीविषा और आलोचना ही लोकतंत्र की ताकत बनती है, जब यह विपक्ष सशक्त, रचनात्मक और संवेदनशील हो। 2011 के 'जनलोकपाल आंदोलन' में विपक्ष ने भ्रष्टाचार की खामियों को उजागर किया और साथ ही सुधार के सुझाव भी दिए थे।कोरोना महामारी के दौरान विपक्ष ने राहत और स्वास्थ्य योजनाओं में सुधार के लिए सक्रिय भूमिका भी निभाई थि।चुनावी समय में डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म पर जनता की भागीदारी ने लोकतंत्र को और अधिक पारदर्शी और सशक्त बनाया।किंतु कभी-कभी विपक्षी दल या सांसद केवल नकारात्मक दृष्टिकोण अपनाते हैं।

भगवा आईफोन प्रो 17 देशभक्ति का नया प्रमाण

मिसिरबाबू,आपको लख-लख बधाइयाँ! आप उस राष्ट्रीय सुनामी से बच निकले हैं जिसका नाम है आईफ़ोन 17 प्रो भगवा संस्करण। मुबारक हो कि आपके हाथ में अभी भी आपका पुराना एंड्राइड फ़ोन सुरक्षित है। जहाँ हजारों लोग किडनी बेचने के लिए लाइन में लगे हैं, लाखों ने पीएफ़ का पैसा निकाल लिया है, और करोड़ों की ईएमआई बँध गई है, वहाँ आप बच गए! क्या बेहतरीन क़िस्मत और क्या मजबूत आत्म-संयम लिखाकर लाए हो गुरु! आप उस डिजिटल भगदड़ में कुचले नहीं गए, जहाँ देशभक्ति का सर्टिफ़िकेट अब आपके फ़ोन के रंग से तय हो रहा है। बड़ी बात है। निजाम ने राष्ट्रवाद और टेक्नोलॉजी का ऐसा कॉकटेल बनाया, मार्केटिंग टीमों ने आपकी जेब ख़ाली करने के सौ तरीक़े ईजाद किए,इन्फ़्लुएंसरों ने आपको एंटी-नेशनल और विकास-विरोधी साबित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी, फिर भी मौत (यानी क़र्ज) ने आपको छुआ तक नहीं। यकीनन कोई दैवीय शक्ति ही है जो निजाम की तमाम कोशिशों के बावजूद आपको इस सांस्कृतिक भगदड़ से हर बार बचा लेती है। उस रोज जब आपके पड़ोसी ने नया भगवा आईफ़ोन दिखाकर आपसे पूछा था, और मिसिरबाबू, देश के लिए इतना भी नहीं कर सकते?,तब भी आप बच गए। आपके अंदर आत्म-सम्मान की प्रतिरोधक क्षमता है, मगर दिखावे के प्रतिरोध का साहस नहीं है। आप उस दिन भी बच गए जब मोहल्ले की संस्कृति रक्षक समिति ने हर घर का डिजिटल शुद्धिकरण अभियान चलाया था और आपके पुराने फ़ोन को देखकर ऐसे मुँह बनाया था जैसे आपने उनके धर्म को ही भ्रष्ट कर दिया हो। और तब तो चमत्कार ही हो गया जब आपकी बेटी के रिश्ते के लिए आए लोगों ने लड़के की नहीं, आपके फ़ोन के मॉडल और रंग की जाँच-पड़ताल की और आपके हाथ में पुराना फ़ोन देखकर रिश्ता तोड़ दिया। सोचो, एप्पल के सीईओ को आपकी इस हरकत पर कितना दुःख हुआ होगा। उनकी मेहरबानी से खड़ा किया गया राष्ट्रवादी उपभोक्तावाद का होर्डिंग आप पर कोई असर ही नहीं कर पाया और आप बाल-बाल बच गए।

उधर पृथ्वीलोक में ये डिजिटल क्रांति चल रही थी और इधर यमलोक के मुख्यालय में इस नए आईफ़ोन ने कोहराम मचा रखा था। चित्रगुप्त जी का कर्म-प्रोसेसर 9000 बार-बार क्रैश हो रहा था। यमराज ने इमरजेंसी मीटिंग बुलाई। चित्रगुप्त! ये बही-खाते में पाप और पुण्य के कॉलम में क्या घालमेल हो रहा है? कल तक जो लोग गौ-सेवा, दान-धर्म करके पुण्य कमा रहे थे, उनके खाते में अचानक एंटी-नेशनल की एंट्री कैसे हो गई? चित्रगुप्त ने अपना सिर पीट लिया। प्रभु, सब इस नए आईफ़ोन का चक्कर है। आर्यावर्त में पुण्य की परिभाषा बदल गई है। अब सबसे बड़ा पुण्य है भगवा आईफ़ोन ख़रीदना। जिसने ख़रीद लिया,उसके सात ख़ून माफ़। और जिसके पास नहीं है,वो चाहे कितना भी बड़ा धर्मात्मा हो,उसे देशद्रोही माना जा रहा है। हमारे यमदूत जिसकी भी आत्मा लेने जाते हैं,पहले उसका फ़ोन चेक करते हैं। अगर हाथ में भगवा आईफ़ोन है, तो उसे सीधे वीआईपी ट्रीटमेंट के साथ स्वर्ग भेजा जा रहा है,भले ही उसने जीवन भर पाप किए हों। यमराज की मीटिंग में यम-007, जो दिल्ली के एक मॉल से ताजा-ताजा लौटा था, ने अपनी हैरान करने वाली रिपोर्ट पेश की। सर, सीन इज टोटली क्रेजी! पीपल आर नॉट बाइंग अ फ़ोन, दे आर बाइंग साल्वेशन। मैंने एक आदमी को देखा जो अपनी जमीन के कागज गिरवी रखकर फ़ोन ख़रीद रहा था। मैंने पूछा, भाई, क्या करोगे इसका? बोला, देशभक्ति दिखाऊँगा। सर, इट्स द न्यू पिलग्रिमेज।

मोदी की सोच से आगे बढ़ता भारत

प्रो. महेश चंद गुप्ता
दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हाल में 75 वर्ष के हो गए हैं। इस अवसर पर देश ने न केवल उनकी राजनीतिक यात्रा और उपलब्धियों को याद किया,बल्कि यह भी महसूस किया कि उनकी दूरदर्शिता और सकारात्मक सोच ने देश को नई दिशा दी है। मोदी की कहानी सिर्फ एक राजनीतिक यात्रा नहीं है,बल्कि यह उन विचारों और मूल्यों की कहानी है जो भारत को विकास और गौरव के पथ पर ले जाने का लक्ष्य रखते हैं। इस मौके पर मुझे मोदी का 7 फरवरी 2013 का वह भाषण याद आता है,जो उन्होंने गुजरात के मुख्यमंत्री के नाते दिल्ली के श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स में दिया था। मुझे याद है मोदी के भाषण में विकास, प्रगति और वृद्धि मुख्य शब्द रहे थे। उन्होंने उस भाषण में जो कुछ कहा था, उसे पीएम बनने के बाद जिस प्रकार धरातल पर साकार किया है, उससे जाहिर है उन्होंने देश के बारे में कितना कुछ पहले ही सोच रखा था। नियति ने मोदी की सकारात्मक सोच के चलते उन्हें देश की सत्ता के सर्वोच्च शासनाध्यक्ष पद पर पहुंचाया। आरएसएस के स्वयंसेवक के रूप में मोदी ने राष्ट्र सर्वोपरि माना और इसी के अनुरूप वह काम कर रहे हैं। मुझे स्मरण है मोदी कॉलेज में वैश्विक परिदृश्य में उभरते व्यावसायिक मॉडल विषय पर व्याख्यान देने आए थे। उस अद्भुत अवसर का साक्षी होने का मौका मुझे भी मिला। मीडिया मोदी के उस भाषण को उन पांच भाषणों में मानता है,जिन्होंने मोदी को एक प्रखर वक्ता और राष्ट्रीय राजनेता के रूप में स्थापित किया। मेरा सौभाग्य है कि न केवल मैंने मोदी का भाषण सुना बल्कि जब वह कार्यक्रम के बाद प्रस्थान कर रहे थे तो उनसे हाथ मिलाने का मौका भी मिला। इस दौरान पता नहीं किस भावना से प्रेरित हो कर मैंने उनसे कह भी दिया कि आप पीएम बनेंगे और देश आपको बड़ी उम्मीदों से देख रहा है। मेरी बात सुन मोदी कुछ बोले नहीं, बस मुस्कुराते रहे और आगे बढ़ गए। जब वह बोलने के लिए खड़े हुए थे तो उनके जेहन में एक ही बात थी और वह था-देश का भविष्य। उन्होंने देश को केन्द्र में रखकर काम करना शुरू किया और लगातार करते आ रहे हैं। कॉलेज में मोदी ने अपने भाषण में डवलपमेंट शब्द को बीस बार, चुनौतियां शब्द 16, यूथ शब्द 15, ग्रोथ, अपॉर्चुनिटी 9, गवर्नेंस 8, होप 6, ब्रांड 5, प्राइड 5, मॉडल 4 और फ्रेंड्स शब्द को 180 बार बोला था। उस समय इसकी मीमांसा मैंने नहीं की थी लेकिन अगर आज इस पर गौर करते हैं तो हमें अहसास हो जाता है कि मोदी के मन में देश के लिए किस तरह की परिकल्पनाएं थीं, जिसे वह साकार करने का दृढ़ निश्चय किए हुए थे। भले ही मोदी ने पीएम पद की महत्वाकांक्षा कभी नहीं रखी पर देश की अर्थ व्यवस्था को पंख लगाने, विकास की ऊंची उड़ान और युवाओं के बूते भारत की तकदीर बदलने तथा भारत को विश्व गुरु बनाने की महत्वाकांक्षा उन्होंने जरूर पाल रखी थी। नियति ने इसी वजह उनके देश पीएम पद पर बैठने का मार्ग प्रशस्त किया। उनका भाषण 75 मिनट का था लेकिन हर मिनट में यह स्पष्ट हो रहा था कि उनके मन में देश की भलाई की भावना और भविष्य की योजनाएं कितनी गहनता से पैठी हुई हैं। उस भाषण में मोदी जी ने विकास, प्रगति और वृद्धि पर बार-बार जोर दिया। उनके शब्दों में स्पष्ट दृष्टि थी कि 21वीं सदी ज्ञान और कौशल की सदी है और इसकी अगुवाई भारत ही करेगा। उन्होंने कहा था कि देश को आगे बढ़ाने के लिए स्किल, स्पीड और स्केल पर ध्यान देना होगा। आज, साढ़े 11 साल बाद यह स्पष्ट है कि मोदी ने जो कहा, उसे यथार्थ के धरातल पर उतारकर दिखाया। पीएम बनने के बाद मोदी ने देश के विकास के लिए ठोस कदम उठाए। पीएम गरीब कल्याण योजना, उज्ज्वला योजना, स्वच्छ भारत मिशन, स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया और डिजिटल इंडिया जैसी पहलों ने देश के विकास के मार्ग को मजबूत किया। इन पंक्तियों को लिखते समय मुझे स्मरण हो रहा है कि भ्रष्टाचार,कुशासन और आर्थिक गतिरोध जैसी चुनौतियों का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा था कि भारत इन बाधाओं से तभी पार पा सकता है जब वह अपने अवसरों का सही उपयोग करे। और उनके नेतृत्व में यह हुआ भी है। मोदी सरकार ने जनधन योजना, जीएसटी सुधार,ई-गवर्नेंस पहल और आर्थिक सुधारों के माध्यम से देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान की है। आज भारत वैश्विक स्तर पर गर्व के साथ अपनी पहचान बना रहा है। मोदी ने अपने भाषण में 'मेड इन इंडिया' पर जोर दिया और मैन्यूफेक्चरिंग क्षेत्र में दक्षता,तकनीकी नवाचार और ब्रांडिंग की आवश्यकता पर बात की थी। आज, उनके प्रयासों से भारत न केवल एक बड़ा बाजार बनकर उभरा है, बल्कि विश्व स्तर पर तकनीकी और विनिर्माण क्षमता में भी अग्रणी बन गया है। उनकी दूरदर्शिता और कार्यनीति ने भारत को वैश्विक मंच पर सम्मान और विश्वास के साथ खड़ा किया है।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटाराअम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
–सम्पादक

CMYK

बात नहीं करने से नाराज युवक ने की युवती की हत्या,आरोपी गिरफ्तार

- थाना गांधीनगर पुलिस टीम द्वारा मामले के आरोपी को गिरफ्तार कर की गई सख्त वैधानिक कार्यवाही
- पुलिस टीम द्वारा घटनास्थल से घटना में प्रयुक्त चाकु, आरोपी का बैग,मोटरसायकल,पीड़िता का चप्पल, आरोपी का चश्मा किया गया जप्त...
- आरोपी के कब्जे से घटना मे प्रयुक्त मोबाइल एवं घटना के दौरान पहना गया कपड़ा जप्त किया गया है...

- मृतिका से पूर्व में प्रेम संबंध होने एवं बाद में बात नहीं करने से नाराज होकर आरोपी द्वारा युवती को चाकू से गंभीर चोट कारित कर हत्या की घटना की गई थी कारित...
- गंभीर अपराधों मे पुलिस टीम द्वारा की जा रही त्वरित कार्यवाही...

-संवाददाता-
अंबिकापुर,03 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

प्रार्थी गुरुदेव सिंह साकिन रॉयल पार्क कॉलोनी पटपरिया थाना गांधीनगर द्वारा 02/10/25 को थाना गांधीनगर आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि प्रार्थी रॉयल कॉलोनी पटपरिया थाना गांधीनगर का निवासी है एवं चोपडापारा रिंग रोड में श्री कृपा फ्युल पेट्रोल पम्प के बगल में फ्रेण्ड चिकन कार्नर का संचालन करता है। कि दिनाक 02/10/25 को 11.30 बजे के करीब प्रार्थी अपने दुकान में तंदुर को बाहर निकाल रहा था उसी समय देखा कि एक युवक पेट्रोल पंप के काम करने वाली युवती को बुरी तरह से सिर,सीना, पीठ व हाथ में चाकू मार रहा था युवती को चाकू लगने से बहुत ज्यादा खून निकल रहा था लडकी बेहोश थी। प्रार्थी पीड़िता को बचाने गया तो वह पीड़िता को छोड़कर गली में भागने लगा जिसके बाद आरोपी को पकड़ने के लिये उसका पीछा किया तो उक्त युवक अपने कमर के पास रखा एयर गन को निकालकर फायर किया जब प्रार्थी उसके एयर गन को छिनने लगा तब वह प्रार्थी का गला दबाकर उसके साथ भी मारपीट करने लगा प्रार्थी का आवाज सुनकर पेट्रोल पंप के स्टॉफ व अन्य लोग भी वही पर आकर बीच बचाव किये बाद में आरोपी युवक को जिसे अन्य लोगों की सहायता से पकड़कर थाना लाया गया एवं प्रार्थी एवं अन्य द्वार एयर गन पेश किया गया है, युवती को सीने में, पेट में और गले में चाकू से बहुत ज्यादा चोट लगी थी जिसे रक्त रंजित और बेहोशी के हालत में हॉलीक्रास अस्पताल (मिशन अस्पताल) अम्बिकापुर ले जाने पर डॉक्टर के द्वारा युवती को मृत होना बताया गया है, मामले मे प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना गांधीनगर मे आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 562/25 धारा 103(1) बी.एन.एस. का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। मामले को संज्ञान मे लेकर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा श्री राजेश कुमार अग्रवाल (भा.पु.से.) द्वारा पुलिस टीम को मामले मे त्वरित एवं सख्त कार्यवाही किये जाने के दिशा निर्देश दिए गए थे, इसी क्रम मे दौरान विवेचना पुलिस टीम द्वारा तत्काल घटनास्थल पहुंचकर मौक़े का निरीक्षण किया गया, पुलिस टीम द्वारा प्रार्थी एवं अन्य प्रत्यक्षदर्शी गवाहों का कथन लेख किया गया, घटनास्थल पर बरामद घटना में प्रयुक्त चाकु,आरोपी का बैग, मोटरसायकल, पीड़िता का चप्पल, आरोपी का चश्मा जप्त किया गया, एवं प्रार्थी द्वारा लाकर पेश किया गया एयर गन भी जप्त किया गया, बाद मिशन अस्पताल मर्चुरी में जाकर मृतिका के शव का निरीक्षण किया गया शव पंचनामा दौरान पाया गया कि मृतिका की मृत्यु आरोपी जोगेंद्र के द्वारा चाकू से किये गये जानलेवा वार से आयी चोटों के कारण हुआ है जो मृत्यु की सही वजह जानने हेतु पीएम कराया गया,बाद थाना वापस आकर आरोपी से घटना के संबंध में विस्तृत पुछताछ किया गया जो आरोपी द्वारा अपना नाम जोगेंद्र पैकरा उर्फ़ लादेन आत्मज हुईया पैकरा उम्र 28 वर्ष साकिन भुइसीकला थाना कुसमी जिला बलरामपुर हाल मुकाम श्याम लॉज बस स्टैंड के पास थाना अंबिकापुर का होना बताया, जो अपने मेमोरेण्डम में मृतिका से पूर्व में प्रेम संबंध होना तथा बाद में बात नहीं करने से नाराज होकर दुकान से चाकु खरीद कर युवती की हत्या करने की घटना स्वीकार किया है।आरोपी द्वारा घटना कारित किया जाना स्वीकार किये जाने पर आरोपी को प्रकरण मे गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जाता है, आरोपी के कब्जे से घटना मे प्रयुक्त मोबाइल एवं घटना के दौरान पहना गया कपड़ा जप्त किया गया है।

सम्पूर्ण कार्यवाही मे थाना प्रभारी गांधीनगर निरीक्षक प्रदीप जायसवाल, उप निरीक्षक नवल दुबे,प्रधान आरक्षक मुकेश गुप्ता,आरक्षक घनश्याम देवांगन, अरविन्द उपाध्याय,ऋषभ सिंह,अतुल शर्मा,राहुल सिंह,रमन मण्डल,विकास सिंह सक्रिय रहे।

हिन्दू युवा एकता मंच द्वारा निकाली गई विशाल शोभायात्रा

शोभायात्रा निकालकर कॉलेज ग्राउंड में रावण दहन

-संवाददाता-
अंबिकापुर,03 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

दशहरा के शुभ अवसर पर हिंदू युवा एकता मंच द्वारा भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा शहर के कला केंद्र मैदान से निकल कर गांधी चौक होते हुए घड़ी चौक से देवीगंज रोड होते हुए समलाया मंदिर पहुंची। यहां पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद भस्म होली खेली गई। भस्म होली खेलने के बाद शोभायात्रा महामाया मंदिर पहुंची। यहां आरती की गई। इसके बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे के प्रसाद वितरण के बाद शोभायात्रा समाप्त हुई। दशहरा पर्व को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखा गया। विजयादशमी को लेकर हिंदू युवा एकता मंच द्वारा शोभायात्रा की तैयारी पूर्व से विशेष रूप से चल रही थी। इनके द्वारा पिछ्ले कई वर्षों से शोभायात्रा निकाली जा रही है। इस वर्ष भी विजया दशमी के अवसर पर गुरुवार को शोभायात्रा शहर के कला केंद्र मैदान से निकाली गई। शोभायात्रा शहर के कला केंद्र मैदान से निकल कर गांधी चौक होते हुए घड़ी चौक से देवीगंज रोड होते हुए समलाया मंदिर पहुंची। यहां पूजा अर्चना की गई। इसके बाद भस्म होली खेली गई। भस्म होली खेलने के बाद शोभायात्रा महामाया मंदिर पहुंची। यहां आरती की गई। इसके बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे के प्रसाद वितरण के बाद शोभायात्रा समाप्त हुई। दशहरा व शोभायात्रा को लेकर पूरे शहर में भगवा झंडे लगाए गए थे। वहीं जब शोभायात्रा निकली तो लोगों के हाथों में भगवा झंडे लहरा रहे थे। इससे पूरे शहर का माहौल भगवामय हो गया। शोभायात्रा में राम, लक्ष्मण और सीता की आकर्षक झांकी निकाली गई थी। जिनका जगह-जगह पुष्प वर्षा से स्वागत हुआ।

शहर में बढ रहा बदमाशों का आतंक, महामाया मंदिर परिसर में युवक पर हमला

-संवाददाता-
अंबिकापुर,03 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

शहर में बदमाशों का आतंक अचानक से बढ गया है। ताजा घटनाक्रम में कोतवाली थाना क्षेत्र के महामाया मंदिर परिसर में बदमाशों ने एक युवक पर हमला कर दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। युवक को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी उपचार जारी है। सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार घटना उस समय की है जब युवक मंदिर परिसर में था। अचानक कुछ बदमाशों ने उस पर हमला कर दिया बहरहाल हमला किसने किया यह स्पष्ट नहीं है, इसके साथ ही घटना का विडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। घटना के पीछे का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। कोतवाली थाना पुलिस ने मामले पर जांच शुरू कर दी है। शहर में बढ़ रही घटनाओं से स्थानीय लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है।

तीन अलग-अलग सड़क हादसे में तीन युवक की मौत

-संवाददाता-
अंबिकापुर,03 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

तीन अलग-अलग सड्क़ हादसे में तीन युवक की मौत हो गई। बतौली के सुआरपारा के पास रात 12 बजे अज्ञात बोलेरो ने युवक को टक्कर मार दी। गंभीर चोट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक सेदम दुर्गा पंडाल से चाट-फुल्की बेचकर पत्नी व बेटे के साथ ठेला लेकर घर जा रहा था। दूसरी घटना बतौली थाना क्षेत्र के चिरगा मोड़ के पास की है। अंबिकापुर से सीतापुर जा रहे बाइक सवार पिता-पुत्री की बाइक सड्क़ किनारे खड़े 14 चक्का ट्रक के पीछे जा घुसा। इससे दोनों घायल हो गए। गंभीर चोट लगने से युवक की मौत शांतिपारा अस्पताल में हो गई। वहीं शुक्रवार की दोपहर करीब 3 बजे दरिमा मुख्य मार्ग पर तेज रफ्तार दो बाइकों की आमने सामने भिड़ंत हो जाने से एक बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं आक्रोशित लोगों ने दूसरे बाइक सवार की बेदम पिटाई कर दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने बीच बचाव कर युवक को भीड़ से बाहर निकाला। तीनों घटना में पुलिस आगे की विवेचना शुरू कर दी है।

जानकरी के अनुसार डबल दास बतौली थाना क्षेत्र के सुआरपारा का रहने वाला था। वह ठेला लगाकर चाट-फुल्की बेचने का काम करता है। गुरुवार को विजया दमशमी के दिन ठेला लेकर डबल पत्नी मंगनी बाई व बेटा विवेक के साथ सेदम दुर्गा पंडाल के पास चाट-फुल्की बेचने गया था। वहां से रात को वापस घर लौट रहा था। रात करीब 12 बजे सुवारपारा कोलतापारा मेन रोड में पहुंचा ही था कि तेज रफ्तार अज्ञात बोलेरो ने ठेला लेकर जा रहे डबल को टक्कर मार दी। गंभीर चोट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। आंखों के सामने हुई घटना से पत्नी व बेटे सदमे में हैं। पुलिस मामले में मर्ग कायम कर दुर्घटनाकारी वाहन की तलाश शुरू कर दी है। बतौली थाना क्षेत्र के चिरगा मोड़ के पास की है। सीतापुर थाना क्षेत्र के ग्राम मुरता निवासी प्रकाश सोनी गुरुवार की रात को बाइक से अपनी बेटी माही के साथ बाइक से अंबिकापुर से सीतापुर जा रहा था। रात करीब 1.30 बजे चिरगा मोड़ के पास पूर्व से सड्क़ किनारे खड़े 14 चक्का ट्रक के पीछे बाइक जा घुसी। दुर्घटना में पिता-पुत्री घायल हो गए। सूचना पर पहुंची बतौली पुलिस दोनों को इलाज के लिए शांतिपारा अस्पताल भिजवाया। यहां जांच के दौरान चिकित्सक ने पिता को मृत घोषित कर दिया। जबकि बेटी का इलाज चल रहा है। दरिमा रोड की है। धनीराम दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम कतकालो का रहने वाला था। वह शुक्रवार को बाइक से कहीं गया था। दरिमा मुख्य मार्ग पर इसकी बाइक एक अन्य बाइक से टकरा गई। आमने-सामने दोनों बाइकों में हुई भिड़ंत में धनीराम को गंभीर चोट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इधर दुर्घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने दूसरे बाइक सवार युवक की बेदम पिटाई कर दी। सूचना पर पहुंची दरिमा पुलिस ने युवक को भीड़ से बाहर निकाला,इसके बावजूद भी लोगों ने पुलिस के कब्जे से छुड़ाकर युवक की पिटाई की।

चक्रवात का असर,मूसलाधार बारिश से किसानों के खिले चेहरे

-संवाददाता-
अंबिकापुर,03 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

सरगुजा जिले में मानसून की विदाई से पहले एक बार फिर मौसम मेहरबान हो गया है। बीते दो दिनों से हो रही रुक-रुक कर मूसलाधार बारिश ने इलाके को भिगो दिया है। मौसम विभाग के अनुसार,यह बारिश बंगाल की खाड़ी में सक्रिय चक्रवात का प्रभाव है,जो ओडिशा होते हुए छत्तीसगढ़ से एमपी और यूपी की ओर बढ़ रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि चक्रवात का असर अगले 24 घंटे तक रह सकता है। इसके बाद भी मानसून की विदाई तक बारिश की संभावना बनी रहेगी। मौसम वैज्ञानिक के अनुसार इस बार मानसून की विदाई 10 से 15 अक्टूबर के बीच संभव है। जब तक मानसून पूरी तरह विदा नहीं होता, तब तक छिटपुट बारिश होती रहेगी। इस समय हो रही बारिश को खेती के लिहाज से काफी फायदेमंद बताया जा रहा है। खासकर धान की फसल के लिए यह बारिश वरदान साबित हो रही है। धान की बाली निकलने का समय चल रहा है और इस वक्त पर्याप्त नमी मिलना फसल की गुणवत्ता और उत्पादन दोनों के लिए जरूरी होता है। किसानों का कहना है कि यह बारिश उनके लिए संजीवनी साबित हो रही है। लगातार सूखे जैसी स्थिति की आशंका अब दूर होती नजर आ रही है, जिससे कृषि पर निर्भर हजारों परिवारों को राहत मिली है। हालांकि,लगातार बारिश से कुछ निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति भी बनी है, जिससे आम जनजीवन प्रभावित हुआ है। नगर निगम द्वारा नालों की सफाई न होने के कारण पानी सडक़ों पर बहता नजर आया। इसके बावजूद ग्रामीण क्षेत्रों में लोग राहत महसूस कर रहे हैं,क्योंकि लंबे समय से सूखे की मार झेल रहे इलाके अब हरियाली की ओर लौट रहे हैं। मौसम विभाग ने लोगों से अपील की है कि अगले 24 घंटों तक सतर्क रहें और अनावश्यक यात्रा से बचें। खासकर नदी-नालों के पास न जाने की सलाह दी गई है। प्रशासन ने भी अलर्ट मोड में रहकर हालात पर नजर बनाए रखने की बात कही है। इस प्रकार,चक्रवाती प्रभाव से हुई बारिश जहां एक ओर फसलों के लिए राहत बनकर आई है,वहीं आम जनजीवन के लिए थोड़ी मुश्किलें भी लेकर आई है। अब सबकी नजरें मानसून की विदाई पर टिकी हैं।

भाजपा सरगुजा में पहली बार महिला को जिला महामंत्री का दायित्व

-संवाददाता-
अंबिकापुर,03 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

भारतीय जनता पार्टी सरगुजा संगठन में पहली बार किसी महिला को जिला महामंत्री का दायित्व सौंपा गया है। भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया की नई टीम में श्रीमती अरुणा सिंह को महामंत्री बनाए जाने से न केवल संगठन में महिलाओं की भागीदारी को सम्मान मिला है,बल्कि एस.टी. समाज से आने वाली उनकी नियुक्ति को सामाजिक और राजनीतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। गोंड जनजाति समाज की श्रीमती अरुणा सिंह लंबे समय से संगठन और सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय हैं। उन्होंने भाजपा महिला मोर्चा,सरगुजा जिला संगठन, जनजातीय समाज,शिक्षा,स्वास्थ्य,स्व-सहायता समूहों के माध्यम से महिला सशक्तिकरण,बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ जैसे अभियानों में उल्लेखनीय योगदान दिया है। उनकी राजनीतिक यात्रा में प्रदेश मंत्री महिला मोर्चा छत्तीसगढ़,विशेष आमंत्रित सदस्य प्रदेश कार्यसमिति,महिला मोर्चा की जिलास्तरीय प्रभारी,राष्ट्रीय सेविका समिति से जुड़ाव, जनजाति सुरक्षा मंच व जनजातीय गौरव समाज जैसे अनेक महत्वपूर्ण दायित्व शामिल रहे हैं। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश, हरियाणा, झारखंड व जम्मू-कश्मीर सहित विभिन्न राज्यों के चुनावों में भी उन्होंने सक्रिय भागीदारी निभाई है। संगठनात्मक दायित्वों के साथ श्रीमती अरुणा सिंह ने शिक्षा, स्वास्थ्य, संस्कार और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में जागरूकता अभियानों को लगातार चलाया है।

नौ दिवसीय चैतन्य देवियों की झांकी का हुआ समापन

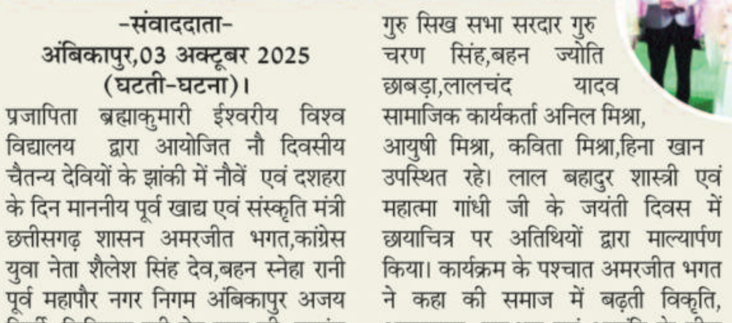
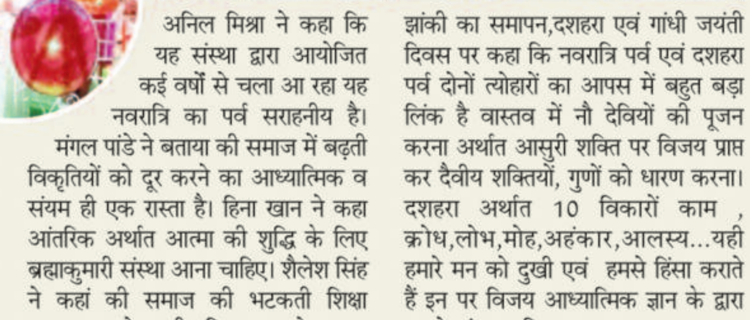
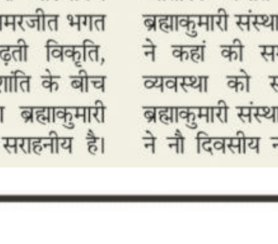

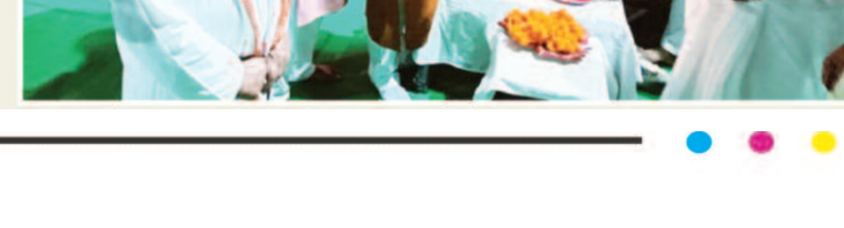

-संवाददाता-
अंबिकापुर,03 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा आयोजित नौ दिवसीय चैतन्य देवियों के झांकी में नौवें एवं दशहरा के दिन माननीय पूर्व खाद्य एवं संस्कृति मंत्री छत्तीसगढ़ शासन अमरजीत भगत,कांग्रेस युवा नेता शैलेश सिंह देव,बहन स्नेहा रानी पूर्व महापौर नगर निगम अंबिकापुर अजय तिर्की, चिकित्सा स्त्री रोग पुष्पा जी, लायंस क्लब यशवर्धन सिंह, अध्यक्ष सिंधी समाज अशोक कुमार नागवानी,प्रधान गुरुद्वारा श्री गुरु सिख सभा सरदार गुरु चरण सिंह,बहन ज्योति छाबड़ा,लालचंद यादव सामाजिक कार्यकर्ता अनिल मिश्रा, आयुषी मिश्रा, कविता मिश्रा,हिना खान उपस्थित रहे। लाल बहादुर शास्त्री एवं महात्मा गांधी जी के जयंती दिवस में छायाचित्र पर अतिथियों द्वारा माल्यार्पण किया। कार्यक्रम के पश्चात अमरजीत भगत ने कहा की समाज में बढ़ती विकृति, अराजकता, मार,धार एवं अशांति के बीच समाज को शांति का रास्ता ब्रह्माकुमारी संस्था बता रही है जो की सराहनीय है। अनिल मिश्रा ने कहा कि यह संस्था द्वारा आयोजित कई वर्षों से चला आ रहा यह नवरात्रि का पर्व सराहनीय है।

मंगल पांडे ने बताया की समाज में बढ़ती विकृतियों को दूर करने का आध्यात्मिक व संयम ही एक रास्ता है। हिना खान ने कहा आंतरिक अर्थात आत्मा की शुद्धि के लिए ब्रह्माकुमारी संस्था आना चाहिए। शैलेश सिंह ने कहां की समाज की भटकती शिक्षा व्यवस्था को सही दिशा बताने वाला ब्रह्माकुमारी संस्था है ब्रह्माकुमारी विद्या दीदी ने नौ दिवसीय नवरात्रि चैतन्य देवीयों की झांकी का समापन,दशहरा एवं गांधी जयंती दिवस पर कहा कि नवरात्रि पर्व एवं दशहरा पर्व दोनों त्योहारों का आपस में बहुत बड़ा लिंक है वास्तव में नौ देवियों की पूजन करना अर्थात आसुरी शक्ति पर विजय प्राप्त कर दैवीय शक्तियों, गुणों को धारण करना। दशहरा अर्थात 10 विकारों काम , क्रोध,लोभ,मोह,अहंकार,आलस्य...यही हमारे मन को दुखी एवं हमसे हिंसा कराते हैं इन पर विजय आध्यात्मिक ज्ञान के द्वारा अपने अंदर आत्मिक पावर भर कर प्राप्त कर सकते हैं। हजारों लोगों ने चैतन्य देवियों की भव्य झांकी का दर्शन किया।

लखनपुर में परंपरा अनुसार एक दिन बाद हुआ रावण दहन,विधायक प्रबोध मिंज रहे मुख्य अतिथि

लगातार बारिश के बीच भी उमड़ा जनसैलाब,आतिशबाजी ने मोहा मन

-संवाददाता-
लखनपुर,03 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।
परंपरा के अनुसार लखनपुर में दशहरा पर्व अंबिकापुर के एक दिन बाद मनाया जाता है। इस वर्ष भी इसी परंपरा का निर्वहन करते हुए लखनपुर में रावण दहन का भव्य आयोजन किया गया। लगातार बारिश के बावजूद हजारों की संख्या में श्रद्धालु व नागरिक कार्यक्रम में शामिल हुए और विजयादशमी के पावन पर्व के साक्षी बने। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज तथा जिला पंचायत सदस्य सभापति विजय अग्रवाल मंत्री राजेश अग्रवाल के प्रतिनिधि के रूप में उपस्थित हुए।

विधायक प्रबोध मिंज का उद्बोधन

अपने उद्बोधन में विधायक प्रबोध मिंज ने कहा कि लखनपुर में रियासत काल से चली आ रही परंपरा के अंतर्गत दशहरा पर्व अंबिकापुर के एक दिन बाद मनाया जाता है और उसी कड़ी में रावण दहन का भव्य आयोजन किया जाता है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार भगवान श्रीराम ने रावण का वध कर धर्म की विजय स्थापित की,उसी प्रकार हमें भी उनके आदर्शों को जीवन में अपनाना चाहिए।

आकर्षक आतिशबाजी बनी आकर्षण का केंद्र

रावण दहन के अवसर पर रंग-बिरंगी आतिशबाजी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने लोगों का मन मोह लिया। इस कार्यक्रम को देखने दूर-दराज के गांवों और कस्बों से भी बड़ी संख्या में लोग पहुंचे।

शोभायात्रा और दुर्गा प्रतिमा दर्शन

इस अवसर पर नगर में शोभायात्रा भी निकाली गई। नवचेतना दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष अरविंद अग्रवाल एवं भजन मंडली प्रमुख ओमप्रकाश कुर्रे के नेतृत्व में नगर भ्रमण उपरांत शोभायात्रा रावण दहन स्थल पर पहुंची। दशहरे के साथ-साथ दुर्गा प्रतिमा के दर्शन करने भी हजारों की संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचे।

समिति की सक्रिय भूमिका

कार्यक्रम के सफल आयोजन में रावण दहन समिति की महत्वपूर्ण भूमिका रही। समिति के अध्यक्ष एवं प्रदेश के कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल की अनुपस्थिति में भी समिति के सक्रिय पदाधिकारियों और सदस्यों ने कार्यक्रम को भव्य रूप दिया। इसमें प्रमुख रूप से नरेंद्र पांडे, सुरेश अग्रवाल, राकेश अग्रवाल, साहू, राहुल अग्रवाल, नीरज अग्रवाल, सौरव अग्रवाल, हरबिंद अग्रवाल, दिनेश बारी, कृपाशंकर गुप्त, दिनेश साहू, बृजेन्द्र पांडे, राजेंद्र जायसवाल, सुभाष अग्रवाल, विष्णु अग्रवाल, रवि अग्रवाल, सचिन बंसल, शिराज सिंह, अभिषेक साहू, सचिन बारी, यतेन्द्र पाण्डेय, सत्यनारायण साहू, अनिल गुप्ता, उपेन्द्र सिंह सहित बड़ी संख्या में नागरिक एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विजयादशमी पर्व के अवसर पर पुलिस अधीक्षक बलरामपुर ने किया पुलिस लाईन बलरामपुर में शस्त्र पूजन

-संवाददाता-
बलरामपुर,03 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।
बलरामपुर पुलिस मुख्यालय में बृहस्पतिवार, 02 अक्टूबर 2025 को विजयादशमी पर्व के अवसर पर पुलिस अधीक्षक बलरामपुर वैभव बैंकर (भापुसे) ने पूर्व परम्परा के अनुसार पुलिस लाईन बलरामपुर में विधि विधान से शस्त्र पूजन करते हुये मॉं दुर्गा की आरती की गई। शस्त्र पूजन के उपरान्त एसपी बलरामपुर ने सभी अधिकारी-कर्मचारियों को दशहरा पर्व की शुभकामनाएं दी। इसी प्रकार विजयादशमी के अवसर पर बलरामपुर रामानुजगंज जिले के सभी थाना-चौकी प्रभारियों के द्वारा भी थाना चौकी परिसर में शस्त्र हथियारों पर पुष्प और तिलक लगाकर मंत्रोच्चार के साथ विधि विधान से शस्त्र पूजा की गई।

इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विश्र्व दीपक त्रिपाठी, उप पुलिस अधीक्षक मो. याकूब मेनन,कमलेश्वर भगत, प्रमोद किस्पोट्टा रक्षित निरीक्षक विमलेश कुमार देवांगन एवं पुलिस अधीक्षक कार्यालय व रक्षित केंद्र बलरामपुर के पुलिस बल उपस्थित रहे।

दशहरे के दिन चोरों का तांडव,चार महिलाओं के गले से लाखों के गहने पार

-संवाददाता-
अंबिकापुर,03 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।
विजयादशमी का पावन पर्व हर साल की तरह इस बार भी धूमधाम से मनाया गया। सरगुजा महाराजा टीएस सिंहदेव द्वारा पारंपरिक शस्त्र पूजा और आम जनता के लिए पैलेस के पट खोले जाने पर हजारों की संख्या में लोग दर्शन के लिए पहुंचे। लेकिन इस उत्सव की खुशी उस समय फीकी पड़ गई जब चार महिलाएं भीड़-भाड़ के बीच चोरों का शिकार बन गईं। उनके गले से सोने के गहने पार कर लिए गए। पहली तीन घटनाएं सरगुजा पैलेस परिसर में हुईं,जहां दर्शन के लिए पहुंची गंगापुर,बौरीपारा और लुंड्रा क्षेत्र की महिलाएं शिकार बनीं। चोरों ने भीड़ का फायदा उठाकर गंगापुर नालापारा निवासी सविता देवी पति सहेंद्र विश्वकर्मा के गले से करीब 35 हजार रुपये का सोने का मंगलसूत्र,बौरीपारा निवासी चंपा देवी पति रामजी राम सोनी के गले से 70 हजार रुपये का लॉकेट, और लुंड्रा निवासी शांति देवी पति शंकर सोनी के गले से 70 हजार रुपये का मंगलसूत्र पार कर दिया। महिलाओं को जब चोरी का पता चला, तब तक चोर मौके से फरार हो चुके थे। इसके बाद पीड़ित महिलाएं अपने परिजनों के साथ कोतवाली पहुंचीं और अलग-अलग शिकायतें दर्ज कराईं। इसी दिन की एक और घटना शहर के अग्रसेन चौक स्थित दुर्गा पंडाल की है। यहां भगवानपुर निवासी प्रभावती विश्वास अपने बेटे पार्थप्रीतम विश्वास और अन्य परिजनों के साथ माता के दर्शन करने आई थीं।

दर्शन के बाद जब वे भंडारे का प्रसाद लेने लाइन में लगी थीं, तभी किसी ने उनके गले से 45 हजार रुपये की सोने की चेन चुरा ली। जब प्रभावती को इसकी जानकारी हुई, उन्होंने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। कोतवाली पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत मौके पर पहुंचकर पंडाल परिसर के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। फुटेज में एक महिला संदिग्ध रूप से प्रभावती के गले से चेन निकालते हुए दिखाई दी। अब पुलिस उसी आधार पर महिला की पहचान और तलाश में जुटी हुई है। चारों मामलों में पुलिस ने पीड़ितों की शिकायत पर केस दर्ज कर लिया है और जांच जारी है। सरगुजा पैलेस और दुर्गा पंडाल जैसी भारी भीड़ वाली जगहों पर इस तरह की घटनाएं सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर रही हैं। पुलिस ने लोगों से भी अपील की है कि त्योहारों के दौरान भीड़ में अपने कीमती सामानों व गहनों को लेकर विशेष सतर्कता बरतें और कोई भी संदिग्ध गतिविधि दिखे तो तुरंत सूचना दें। दशहरे जैसे शुभ अवसर पर लगातार इस तरह की चेन स्नेचिंग की घटनाएं सामने आना न सिर्फ सुरक्षा व्यवस्था की चूक को उजागर करता है,बल्कि आम जनता में भय का माहौल भी पैदा करता है। अब देखना होगा कि पुलिस इन मामलों में कितनी जल्दी आरोपियों को पकड़ पाती है और पीड़ित महिलाओं को न्याय दिला पाती है।

रेणुका तट पर उमड़ा भक्तिभाव का सागर,जयकारों के बीच सम्पन्न हुआ मां दुर्गा प्रतिमा विसर्जन

-संवाददाता-
सूरजपुर,03 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।
शारदीय नवरात्र एवं विजयादशमी के अवसर पर जिले का वातावरण पूरी तरह भक्तिमय और उत्सवमय हो उठा। मां दुर्गा की प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए रेणुका नदी तट पर हजारों श्रद्धालु उमड़े। ढोल-नगाड़ों की गूंज, डीजे की थाप और जय माता दी के जयकारों से पूरा माहौल गुंजायमान रहा। श्रद्धालुओं ने आस्था और उल्लास के साथ माता रानी को विदाई दी।

भव्य शोभायात्राएं बनी आकर्षण का केंद्र

शहर सहित ग्रामीण अंचलों की दुर्गा उत्सव समितियों ने सजावट से सुसज्जित रथों पर प्रतिमाओं को शोभायात्रा के रूप में नदी तट तक पहुंचाया। जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर माता रानी की झांकियों का स्वागत किया। शोभायात्रा में पारंपरिक वाद्य यंत्रों, झांकियों और भक्तिमय नृत्य ने लोगों का मन मोह लिया।

प्रशासन रहा सतर्क,सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद

प्रतिमा विसर्जन को लेकर प्रशासन और पुलिस विभाग की ओर से विशेष इंतजाम किए गए। नदी तट पर बैरिकेडिंग,गोताखोरों की तैनाती और बचाव दल की सतत निगरानी में विसर्जन सम्पन्न हुआ। जगह-जगह पुलिस बल की मौजूदगी और अधिकारियों की सक्रियता से पूरा आयोजन शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ।

श्रद्धालुओं ने मां से मांगी सुख-समृद्धि की कामना

विसर्जन कार्यक्रम के दौरान भक्तों की आंखें नम हो उठीं। सभी ने मां दुर्गा से जिले में सुख-शांति और समृद्धि की प्रार्थना की। रेणुका तट पर उमड़े भक्तिभाव के सागर ने एक बार फिर यह संदेश दिया कि आस्था और परंपरा से ही समाज की एकता और शक्ति बनी रहती है।

कुसमी में मातारानी की विदाई के साथ धूमधाम से मनाया गया दशहरा का पर्व,किया गया रावण दहन

-संवाददाता-
कुसमी,03 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।
नवरात्र के नव दिनो तक मां दुर्गा की पूजा अर्चना के बाद दसवीं यानि दशहरे के दिन मातारानी की विदाई दी गई एवं हाईस्कूल मैदान में हुआ रावण दहन का कार्यक्रम संपन्न हुआ, दरअसल बलरामपुर जिले के छोटे से शहर कुसमी में दशहरे के दिन मातारानी के झांकी के बीच भक्त गण शहर की सड़क पर ढोल नगाड़ों के साथ निकले और फिर पटाखे फोड़ते हुए भक्त गण रावण दहन के लिए कुसमी के दुर्गा चौक, हाट बाजार और सामरी रोड में स्थापित माता रानी की प्रतिमाओं के झांकी के साथ माता रानी के जयकारे लगाते हुए कुसमी हाईस्कूल मैदान में पहुंची जहां कुसमी सहित आसपास के गांवों से काफी

संख्या में लोग रावण दहन कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। सभी दुर्गा समितियों के लोग एक साथ माता रानी के साथ भगवान श्री राम को याद कर जयकारे लगाए वही हाईस्कूल मैदान में पहुंचे आम जनता को पुलिस प्रशासन की ओर से एसडीओपी इम्मानुएल लकड़ा ने सम्बोधित करते हुए दशहरे पर्व की बधाई दी साथ ही समिति के पदाधिकारियों ने भी लोगों को संबोधित किया और बुराई के प्रतीक रावण के पुतले का दहन किया गया,वहीं मां दुर्गा की झांकी के साथ लोग नाचते झूमते हुए ऊपर कुसमी के राजा तलाब पहुंचे जहां मातारानी की पूजा अर्चना के बाद उनकी प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया।

दबंग उपसरपंच कर रहा है जंगल साफ...ग्रामीणों ने बुलाई इमरजेंसी मीटिंग,दी 'बड़े आंदोलन' की खुली चेतावनी

-सुदामा राजवाड़े-
बलरामपुर,03 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।
बलरामपुर जिले के कई इलाकों में क्रेशर संचालकों द्वारा हरे-भरे जंगलों को उजाड़ते हुए अवैध रूप से बोल्डर निकाले जाने का मामला सामने आया है। सैकड़ों ग्रामीणों गांव में इकट्ठा होकर बैठक कर निर्णय लिया गया जंगल जमीन को बचाना है जो कि जंगलों के भीतर पोकलेन और जेसीबी मशीनें दिन-रात बेखौफ चल रही हैं,जिससे हरियाली नष्ट हो रही है और प्राकृतिक संतुलन खतरे में पड़ रहा है। अधिकारियों की ओर से न तो कभी मौके पर निरीक्षण किया जाता है और न ही ठोस कार्रवाई की जाती है। स्थिति यह है कि जिम्मेदार विभाग मौन साधे हुए हैं और जंगलों का सीना चीरकर बोल्डर की तस्करी की जा रही है। गांव में सैकड़ों की संख्या में ग्रामीणों ने एकजुट होकर बैठक की और अवैध खनन पर रोक लगाने की मांग उठाई। उनका कहना है कि क्रेशर मालिक द्वारा जंगलों की

जमीन अतिक्रमण भी किया जा रहा है यदि प्रशासन जल्द ही इस पर कार्रवाई नहीं करता तो वे बड़े आंदोलन के लिए मजबूर होंगे। स्थानीय लोगों ने चेतावनी दी है कि जंगलों को उजाड़ने की यह प्रवृत्ति आने वाली पीढ़ियों के लिए घातक साबित होगी। उन्होंने जिला प्रशासन से तत्काल जांच दल गठित कर जिम्मेदारों पर कठोर कार्रवाई करने की मांग की है। ग्रामीणों ने यह भी कहा कि यदि जिम्मेदार अधिकारी अपनी भूमिका नहीं निभाते तो वे स्वयं वन संरक्षण और पर्यावरण बचाने की लड़ाई सड़क पर उतरकर लड़ेंगे। ग्रामीणों की मांग है कि अवैध बोल्डर खनन पर तत्काल रोक लगे पोकलेन एवं जेसीबी मशीनों को जब्त किया जाए। मिलीभगत करने वाले विभागीय अधिकारियों पर कार्रवाई हो.जंगलों की सुरक्षा के लिए स्थायी निगरानी तंत्र बनाया जाए। इस संबंध में बलरामपुर डीएफओ आलोक बाजपेई से मोबाइल से बात की गई तो उन्होंने कहा कि मामला संज्ञान में आया है इस पर पूरी जांच कराई जा रही है जांच के बाद उचित कार्यवाही की जाएगी उन्होंने यह भी बताया कि जिस जगह पर खनन कार्य किए गए हैं वह राजस्व भूमि है जिसके लिए हमने राजस्व विभाग को भी पत्राचार किया है।

कृष्ण विहार कॉलोनी में गरबा नृत्य व रावण दहन का भव्य आयोजन

-संवाददाता-
अंबिकापुर,03 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।
गांधीनगर स्थित कृष्ण विहार कॉलोनी में उड़ान महिला समिति के तत्वावधान में गरबा नृत्य एवं रावण दहन का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय नागरिकों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही और उत्साह का माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर नगर निगम अंबिकापुर की पहली महिला महापौर श्रीमती मंजूषा भगत का समिति की ओर से सम्मान किया गया। महापौर ने

आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नगर निगम आदर्श कार्यव्यवहार और विकास की गाथा का नया इतिहास रचने को संकल्पित है। विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर निगम के सभापति श्री हरमिंदर सिंह टिन्नी उपस्थित रहे। उन्होंने कार्यक्रम में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए और समिति की इस सांस्कृतिक पहल की सराहना की। कार्यक्रम में श्री गोपाल पाण्डेय ने अपनी टीम के साथ मधुर भजनों की प्रस्तुति दी और मंच संचालन भी किया। उनकी मनमोहक गायकी से वातावरण भक्तिमय और उल्लासपूर्ण बन गया। कार्यक्रम में समिति की सदस्य सुनीता सोनी, कावेरी पाल, सवि चंद्रा, अंजुला मिश्रा,गीता, सुनीता कुशवाहा, कोमल, प्रिया सिंह,पिंकी यादव, शिखा कश्यप सहित अन्य सहयोगियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। अंत में रावण दहन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ, जिसे देखकर दर्शक अत्यंत उत्साहित और प्रसन्न दिखाई दिए।

भाजपा सरगुजा द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री जी के जयंती पर माल्यार्पण

-संवाददाता-
अंबिकापुर,03 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।
भाजपा सरगुजा ने आज 2 अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर उन्हें नमन करते हुए माल्यार्पण कार्यक्रम आयोजित किया। प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी, सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज, जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया, लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज, महापौर मंजूषा भगत एवं जिला पंचायत अध्यक्ष निरूपा सिंह की विशेष उपस्थिति में स्थानीय गांधी चौक पर आयोजित इस कार्यक्रम में दोनों महान विभूतियों के आदर्शों और राष्ट्र के प्रति उनके अतुलनीय योगदान को याद किया गया। पार्टी के चल रहे सेवा पखवाड़ा के तहत आयोजित इस

कार्यक्रम में महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री जी की प्रतिमा और छायाचित्र पर माल्यार्पण किया गया। वक्ताओं ने गांधी जी के सत्य और अहिंसा के सिद्धांतों और शास्त्री जी के जय जवान, जय किसान के प्रेरणादायी नारे को रेखांकित करते हुए, उनके दिखाए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। इस अवसर पर, भाजपा के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने देश की एकता, अखंडता और समृद्धि के लिए निस्वार्थ सेवा का संकल्प लिया। इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष अंबिकेश केशरी, महामंत्री द्वय विनोद हर्ष और अरुणा सिंह, मधुसूदन शुक्ला, इंदर भगत, मधु चौदहा, हरमिंदर सिंह टिन्नी, निश्चल प्रताप सिंह, मनोज कंसारी, कमलेश तिवारी, पार्षद श्वेता गुप्ता, शशिकांत जायसवाल, जनमेजय मिश्रा, निलेश सिंह, आलोक दुबे, मयंक जायसवाल, मनोज सोनी, संदीप सोनी, संजीव वर्मा, जतिन परमार, भूपेंद्र सिंह, मार्कण्डेय तिवारी सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सूरजपुर में भव्य दशहरा उत्सव
रावण दहन और शोभायात्रा से गूंजा अग्रसेन स्टेडियम

- 20 हजार की भीड़ के बीच रावण,कुंभकरण और मेघनाथ के पुतले दहन
- राम-रावण युद्ध,शिव ताण्डव व झाकियों से सराबोर हुआ पूरा स्टेडियम
- अतिथियों ने दी दशहरे की शुभकामनाएं,कहा अच्छाई से ही बुराई पर विजय संभव
- सूरजपुर सेवा समिति के आयोजन में राममय हुआ पूरा नगर
- श्रीराम का तिलक पूजन कर की गई आरती,आतिशबाजी से दमका आकाश

पूरा अग्रसेन स्टेडियम रहा राममय

अम्बिकापुर व बाहर से आये सांस्कृतिक व धार्मिक आयोजन के साथ सजीव झांकियों की टीम व शिशु मंदिर के बच्चों के द्वारा राम दरबार की भव्य अलौकिक झांकी व राम-रावण युद्ध की मंचन सहित शिव-पार्वती, शिव ताण्डव, हनुमान झांकी व देवियों की अनेक झांकियों व भजन कार्यक्रम से पूरा स्टेडियम राममय की गूंज से सराबोर हो गया। इस दौरान उपस्थित अतिथियों सहित आमजन अपने मोबाईल पर वीडियो बनाते रहे और झांकियों के दौरान मोबाईल फ्लैश लाईट चमकाकर अभिवादन किया।

20 हजार की उपस्थिति से आयोजक हुए गदगद

दशहरा उत्सव में इस वर्ष भारी भीड़ के कारण आयोजन समिति गदगद रही। लगभग 20 हजार से उपर की भीड़ ने राम-रावण युद्ध के मंचन के साथ जमकर आतिशबाजी का लुफ्त उठाया और रावण दहन की परंपरा के साथ बुराईयों का परित्याग करने और समद्धशाली क्षेत्र के निर्माण के संकल्प के साथ दशहरे की बधाई दी।

श्रीराम का तिलक पूजन कर की आरती

मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम का मंचासीन अतिथियों ने तिलक व पूजन कर आरती उतार कर शौर्य के पर्व पर श्रीराम परिवार की परंपरागत तरीके से पूजा-अर्चना की। समिति के अध्यक्ष भीमसेन अग्रवाल की अगुवाई व रामकृष्ण ओझा के वैदिक उच्चारण के बीच अतिथियों ने भगवान श्रीराम की भगवान की पूजा-अर्चना में शामिल होकर उनकी आरती उतारी।

-संवाददाता-
सूरजपुर,03 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

जिला मुख्यालय में विजयादशमी के पर्व पर सूरजपुर सेवा समिति के द्वारा भव्य दशहरा उत्सव का आयोजन कर असत्य पर सत्य की विजय के प्रतीक के रूप में रावण,कुंभकरण व मेघनाथ के पुतले का दहन किया गया। वहीं भगवान श्रीराम की भव्य शोभायात्रा के साथ मुख्य समारोह में श्रीराम-रावण का मंचन,शिव ताण्डव,जश गीत,सजीव झांकियों के माध्यम से कलाकारो के द्वारा किया गया। इस दौरान कार्यक्रम के कार्यक्रम के अतिथि प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी,सूरजपुर सेवा समिति के अध्यक्ष भीमसेन अग्रवाल, नगर पालिका अध्यक्ष कुसुमलता राजवाड़े,कलेक्टर

एस जयवर्धन,पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार ठाकुर, जिपं सीईओ विजेन्द्र सिंह पाटले,सेवा समिति के सचिव रामकृष्ण ओझा, एसडीएम शिवानी जायसवाल, एडिशनल एसपी संतोष महतो रहे। समारोह में सहित बड़ी तादाद में जुटे जिलेवासियों को दशहरे की शुभकामनाएं देते हुए अतिथियों ने कहा कि असत्य पर सत्य की विजय के साथ हमें सामाजिक कुरीतियों से दूर रहना चाहिए। इस दौरान मंचासीन अतिथियों ने उपस्थित आपार जन समूह को संबोधित करते हुए अपनी बातों में कहा कि जिस प्रकार अंधेरे के बाद उजाला आता है, उसी प्रकार अच्छाई से हम बुराई पर विजय हासिल कर सकते हैं। समारोह में सर्व समाज प्रमुख व नगर की सभी दुर्गा पूजा समितियों के अध्यक्ष व प्रमुख भी मंच पर आसीन रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन मुकेश गर्ग व सुनील अग्रवाल व आभार प्रदर्शन नपा उपाध्यक्ष शैलेष गोयल ने किया। इसके पूर्व सूरजपुर सेवा समिति के अध्यक्ष भीमसेन अग्रवाल ने अध्यक्षीय प्रतिवेदन व स्वागत उद्बोधन तथा रामकृष्ण ओझा सचिव ने समिति का वृत्त प्रस्तुत किया। वहीं सनातन काल की परंपरा के अनुरूप दशहरा उत्सव में राम दरबार व रावण सेना व आधारित विशाल व भव्य झांकी अग्रसेन भवन से निकाली गई। झांकी नगर के विभिन्न मार्गो से गाजे-बाजे व ढोल-नगाड़ों के साथ नाचते-गाते कार्यक्रम स्थल अग्रसेन स्टेडियम ग्राउंड पहुंची। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए श्रवण जैन, सुरेन्द्र राजवाड़े, संजू सोनी, प्यारे साहू, प्रशांत साहू, भोला साहू, अजय सिंह, संदीप जायसवाल, मुदित जैन, शिवम ओझा, अजय अग्रवाल, गौरिश जिंदल, सुमित मित्तल, यश अग्रवाल सहित समिति के सदस्य सक्रिय थे। वहीं आयोजन में सर्व समाज प्रमुख सहित नगर पालिका के समस्त पार्षद व बड़ी संख्या में सर्व समाज के प्रमुखों व समिति प्रमुखों में अमृतलाल गर्ग, जोखन साहू, थलेश्वर साहू, तोयात्मा राजवाड़े, राजीव सिंह, इस्तेयाक अहमद, भगवंत गुर्जर, रामस्वरूप गुप्ता, पुखराज जैन, विजय सोनी, अनिल गुप्ता, रिखब जैन, कृष्ण कुमार बंसल, उपेन्द्र ठाकुर, आलोक घोष, हिमांशु जैन, अविनाश देवांगन, ललन सोनवानी, अनिल गुप्ता, शशांक अग्रवाल, मदन मित्तल, अंकित गर्ग सहित बड़ी तादाद में सभी समितियों के पदाधिकारी उपस्थित थे। जिनका सूरजपुर सेवा समिति ने दुपट्टे व फूल-मालाओं से स्वागत व अभिनंदन भी किया। स्टेडियम ग्राउण्ड में भारी भीड़ के मद्देनजर पुलिस प्रशासन की चाक-चौबंद व्यवस्था रही।

भ्रष्ट्राचार का अखाड़ा बना खड़गवां जनपद का ग्राम पंचायत पैनारी

लाखों के विकास राशि पर हाथ साफ करने वाले सरपंच-सचिव ने लाखों डकारे

-संवाददाता-
खड़गवां,03 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

जनपद पंचायत खड़गवां अंतर्गत पैनारी ग्राम पंचायत जहां के वर्तमान सरपंच पत्नी सावित्री बाई के तत्कालीन सरपंची कार्यकाल में शातिर सचिव रहीम अली के सांठगांठ से भ्रष्टाचार का तांडव किया गया और ग्राम विकास की राशि से निज विकास को दिलेरी से प्राथमिकता देने के मामले में अव्वल रहने वाले जिम्मेदारों की करतूतों ने इस पंचायत को सुर्खियों में ला खड़ा कर दिया है। सरकारी धन को बपौती समझ हेराफेरी करने वाले यहां के सरपंच सचिव के शिकायत स्थानीय ग्रामीणों ने लिखित में अनुविभागीय अधिकारी खड़गवां से किया गया है।

जिसमें तात्कालिक सरपंच एवं सचिव के द्वारा पंद्रह वे वित्त की राशि का ग्राम पंचायत से आहरण कर अनाप सनाप तरीके से राशि का दुरुपयोग किया गया है। ग्राम पंचायत पैनारी में बिना कार्य किए राशि आहरण किया गया है। राशि का दुरुपयोग बोर खनन एवं प्रतिस्थापन कार्य नहीं हुआ है और राशि 88.820/-रूपये आहरण दिनांक 4/8/25 को किया गया है। ग्राम पंचायत पैनारी भवन पुताई लेखन का कार्य की राशि दिनांक 10/9/25 बोर खनन कार्य हैंडपंप का भुगतान राशि 180000/-पीडीएस भवन मरम्मत कार्य की राशि 49000/- रूपए इस तरह ग्राम पंचायत पैनारी के कई कार्यों का भुगतान बिना कार्यों कर राशि आहरण किया गया है।

ऐसे में पंचायत के ग्रामीणों का कहना है कि भ्रष्टाचार की जांच या कार्यवाही मामले में प्रशासनिक उदासीन रवैया को लेकर

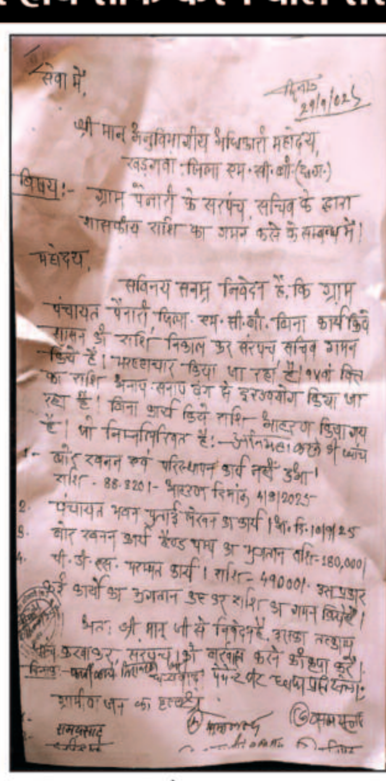

सेवा में, दिनांक 29/9/025
श्री मान अनुविभागीय अधिकारी महोदय, खड़गवां जिला एम.सी.बी. (छ.ग.)
विषय:- ग्राम पैनारी के सरपंच, सचिव के द्वारा शासकीय राशि का गबन करने के सम्बन्ध में।
महोदय,
सविनय सनम्र निवेदन है कि ग्राम पंचायत पैनारी जिला एम.सी.बी. बिना कार्य किये शासन की राशि निकाल कर सरपंच सचिव गबन किये हैं। भ्रष्टाचार किया जा रहा है। 15वां वित्त का राशि अनाप सनाप ढंग से दुरुपयोग किया जा रहा है। बिना कार्य किये राशि आहरण किया गया है। जो निम्नलिखित है:- [illegible]
1- बोर खनन एवं परिस्थापन कार्य नहीं हुआ। राशि - 88.820/- आहरण दिनांक 4/8/2025
2- पंचायत भवन पुताई लेखन का कार्य। दि. 10/9/25
3- बोर खनन कार्य हैंड पम्प का भुगतान राशि-180,000/
4- पी.डी.एस. भवन मरम्मत कार्य। राशि- 49000/- इस प्रकार कई कार्यों का भुगतान कर राशि का गबन किये हैं।
अतः श्री मान जी से निवेदन है, इसका तत्काल जांच करवाकर, सरपंच सचिव पर कार्यवाही करने की कृपा करें। [illegible]
ग्रामीण जन के हस्ताक्षर [illegible]

आखिर राज क्या है?

संविधान में ग्रामीण अंचलों के विकास एवं बिगड़ी व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए पंचायत राज अधिनियम का गठन किया गया। जिसमें साल में 3 से 4 बार ग्राम सभा एवं मासिक बैठक का प्रावधान बनाया गया है। ज्ञात हो कि ग्राम पंचायत की ग्राम सभा मे पंच, सरपंच,उपसरपंच एवं सचिव मुख्य रूप से उपस्थित रहते है, साथ ही पंचायत क्षेत्र के ग्रामीण भी इसका हिस्सा होते है। और ये सभी लोग मिलकर पंचायत के विकास की योजनाएं बनाते है और अपनी सहमति देते है। वहीं ग्राम पंचायत में विकास के रूप में होने वाले निर्माण कार्यों में लगने वाले सभी बिलों की पारदर्शिता के लिए मासिक बैठक का आयोजन भी किया जाता है ताकि विकास एवं निर्माण की राशि मे किसी भी प्रकार का भ्रष्टाचार ना हो सके। इसमें निर्माण कार्यों से संबंधित जो बिल लगाया गया है, उनकी जांच पड़ताल किया जाता है कि बिल सही है या फर्जी और जब पंचायत के सभी प्रतिनिधियों की सहमति होती है तब सरपंच व सचिव द्वारा उन बिलों का भुगतान पंचायत राशि से कराया जाता है। जो त्रिस्तरीय पंचायत राज अधिनियम में स्पष्ट रूप से लिखा है,पर ग्राम पंचायत पैनारी में पंचायत राज अधिनियम की धज्जियां उड़ाने में माहिर ग्राम पंचायत पैनारी में फर्जी बिलों से लाखों की राशि आहरण कर दुरूपयोग किया जा रहा है। इस कार्य में सरपंच एवं सचिव द्वारा किए गए भ्रष्टाचार की लम्बी लिस्ट है। सरपंच सचिव के मिलीभगत के परिणामस्वरूप ग्राम पंचायत में अनगिनत भ्रष्टाचार से पैनारी पंचायत का विकास काफी पीछे चला गया है। यदि तमाम राशि आहरण से संबंधित कार्यों सहित विभागीय मौका जांच किया जाए तो बड़े भ्रष्टाचार का खुलासा हो सकता है। लेकिन इस मामले में अधिकारियों के उदासीन रवैये को लेकर यहां के ग्रामीणों का कहना है कि बहती गंगा में तो सब हाथ धोते है मगर भ्रष्टाचार की इस गंगा में सरपंच- सचिव ने आराम से डुबकी लगाई है? स्थानीय ग्रामीणों ने इसकी तत्काल जांच कर सरपंच के बर्खास्त करने की मांग की है।

नवीन भाजपा जिला कार्यालय का भूमिपूजन

-संवाददाता-
बैकुंठपुर,03 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय बैकुंठपुर कोरिया का नवीन कार्यालय का भूमिपूजन विजयादशमी के शुभ अवसर पर मुख्य आतिथ्य विधायक भईयालाल राजवाड़े एवं भाजपा जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी के अध्यक्षता मे किया गया। नवीन भाजपा जिला कार्यालय आधुनिक बनेगा, जिसमे सभाकक्ष, जिलाध्यक्ष, जिला पदाधिकारी कक्ष, मोर्चा-प्रकोष्ठ कक्ष, वीडियो कॉन्फ्रेंस हाल एवं अन्य सुविधाओं के साथ आकर्षक कार्यालय बनकर तैयार होगा। इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष कृष्णबिहारी जायसवाल, पूर्व जिला उपाध्यक्ष शैलेष शिवहरे, जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित पैकरा,जिला उपाध्यक्ष अशोक जायसवाल,अनिल साहू, रविशंकर राजवाड़े,जिला पंचायत सदस्य गीता राजवाड़े,जिला महामंत्री पंकज गुप्ता, कपिल जायसवाल,जिला मंत्री शारदा गुप्ता, जिला मीडिया प्रभारी तीरथ राजवाड़े,जिला कार्यालय मंत्री मंजू जिवनानी, सहित पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) /सक्षम प्राधिकारी,सूरजपुर,छत्तीसगढ़

ईश्तहार

इस सार्वजनिक ईश्तहार के जरिये सर्व साधारण आम जनता / संस्था / विभाग को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है आवेदक अब्दुल जिसान आ. मो. रफी, जाति मुसलमान, निवासी ग्राम गोपालपुर, तहसील सूरजपुर, जिला सूरजपुर (छ.ग.) ने पुनः कृषियोग्य घोषित किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत कर लेख किया गया है कि उनके स्वामित्व एवं अधिपत्य की भूमि ग्राम गोपालपुर, प.ह.नं. 09, रा.नि.म. सूरजपुर, तहसील सूरजपुर स्थित भूमि खसरा नम्बर 626/10 रकबा 0.032 हे. भूमि का राजस्व प्रकरण क्रमांक 33 /अ-2 /2000-01 में पारित आदेश दिनांक 12/12/2000 को आवासीय प्रयोजन में उपयोग हेतु व्यपवर्तन कराया गया था जानकारी के अभाव में उक्त भूमि को आवासीय प्रयोजन व्यपवर्तन कराया गया था । किन्तु वर्तमान स्थिति में व्यापार में काफी नुकसान होने के कारण निर्धारित कर राशि अदा नहीं कर सकता हूँ इस कारण आवासीय प्रयोजन में व्यपवर्तन को निरस्त कर कृषियोग्य भूमि घोषित किये जाने हेतु निवेदन किया गया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था/विभाग को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक/लीगल एजेंट के माध्यम से अपना दावा/आपत्ति दिनांक 10/10/2025 को न्यायालयीन अवधि में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति के संबंध में कोई विचार नहीं किया जायेगा

आज दिनांक 26/09/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

(सील)

अ.वि.अ.(रा.)/सक्षम प्राधिकारी
सूरजपुर,जिला-सूरजपुर,छ.ग.

कार्यालय,मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ.ग.)

कमांक/7904-1 भण्डार / 2025 — अम्बिकापुर दिनांक 30/09/2025

निविदा विज्ञप्ति

वर्ष 2025-2026 के लिए जिला स्तर पर खाद्य सामग्री की आपूर्ति हेतु तृतीय जानकारी निविदा (दर निर्धारण) किये जाने हेतु अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा मोहर बंद निविदा निविदा आमंत्रित की जाती है । एवं अन्य प्रपत्र/शर्तें एवं अन्य जानकारी www.surguja.gov.in से अथवा कार्यालयीन समय में कार्यालय, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, अम्बिकापुर से प्राप्त की जा सकती है। निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 06.10.2025 समय 02 बजे दोपहर तक होगी। निविदा खोलने की तिथि 06.10.2025 समय 03 बजे शाम ।

1. निविदा प्रक्रिया प्रारंभ की तिथि - 25.09.2025 से
2. निविदा फार्म जमा करने की अंतिम तिथि - 06.10.2025 02 बजे दोपहर तक
3. निविदा खुलने की तिथि 06.10.2025 शाम 03 बजे से

नोटः- निविदा खोलने कि तिथि एवं समय में परिवर्तन किया जा सकता है।

जी नंबर-252603898/3

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ अधिकारी
अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा(छ0ग0)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)अंबिकापुर,जिला-सरगुजा(छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. ... अ-2/2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक राधेश्याम सिंह आ0 जयलाल मरावी जाति गोड़ निवासी नमनाकला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम नमनाकला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) खसरा नंबर 157/311 रकबा 0.020 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्शा, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 21/10/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 03/10/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी ।

(सील)

अनुविभागीय अधिकारी
(रा.) अंबिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)अंबिकापुर,जिला-सरगुजा(छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. ... अ-2/2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सपना सोनी पिता रविशंकर सोनी जाति सोनी निवासी नवापारा अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम नमनाकला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) खसरा नंबर 520/53, 522/34, रकबा 0.013, 0.003 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्शा, सेटलमेन्ट, ले-आउट, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 21/10/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 03/10/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

(सील)

अनुविभागीय अधिकारी
(रा.) अंबिकापुर

विधायक को मुख्य अतिथि बतौर रावण दहन कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया

पर उनके आने के पूर्व रावण दहन क्यों हो गया?

सोनहत में विधायक के आने के पूर्व ही कमेटी ने कर दिया रावण दहन,विधायक ने जताई नाराजगी | **रावण दहन को लेकर सोनहत में तरह-तरह की चर्चाओं का बाजार गर्म** | **क्या कुछ लोग कार्यक्रम को देना चाहते थे राजनैतिक रंग?** | **क्या कार्यक्रम शुरू होने से पहले ही कमेटी के सदस्यों को किया गया दरकिनार?** | **क्या सोनहत से बाहरी भाजपा नेताओं के हस्तक्षेप से नाराज हुए कमेटी के सदस्य?** | **विधायक की घोषणा अब आगामी वर्ष से स्टेडियम ग्राउंड में होगा दुर्गा पूजा का भव्य आयोजन**

-न्यूज़ डेस्क-

कोरिया/एमसीबी, 03 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

सत्ता पक्ष की विधायक एक बार फिर आयोजन समिति के हाथों अपमानित होती दिखी,उन्हें बतौर मुख्य अतिथि रावण दहन कार्यक्रम में बुलाया तो गया पर उनका इंतजार बिना किए ही उनके आने के पूर्व रावण दहन कार्यक्रम संपन्न कर दिया गया, जिसके बाद उनके अंदर नाराजगी देखने को मिले पर जहीर सिर्फ इशारों में ही हुआ,वहीं उनके आने के पूर्व हुए रावण दहन कार्यक्रम को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं होने लगी और यह बात खबरों तक पहुंच गई।

जिले के सोनहत विकासखण्ड में दशहरा उत्सव के दौरान इस बार खुल कर गुटबाजी और राजनीति देखने को मिल गई आलम यह हुआ कि विधायक के आने के पूर्व ही कमेटी ने रावण दहन कर दिया। हालाकि ऐसा कमेटी द्वारा कार्यक्रम में लगातार हो रही देरी को

देखते हुए किया गया क्योंकि रात्रि 8 बजे से ही स्टेडियम ग्राउंड में लोगो की भीड़ जमा हों गई थी और 9 बजते तक यह भीड़ काफी बढ़ गई धीरे और लोग रावण दहन प्रारम्भ करने की मांग करने लगे इसके बाद धीरे धीरे 10 भी बज गए समय को देखते हुए कमेटी ने रात्रि लगभग साढ़े 10 बजे रावण दहन कर दिया और सांस्कृतिक कार्यक्रम शुरू किया गया।

जनप्रतिनिधियों से नाराजगी नही कुछ नेताओं ने पूरे कार्यक्रम पर कब्जा करने का किया प्रयास

दुर्गा पूजा समिति के वीरेंद्र साहू एवं प्रकाश चन्द्र साहू ने कहा कि हमे विधायक महोदया से कोई शिकायत नही वो कार्यक्रम की मुख्य अतिथि थी उनका स्वागत था और आगे भी स्वागत रहेगा लेकिन सोनहत से अन्यत्र गांव से आ कर कुछ नेताओं द्वारा कमेटी के लोगो को असामाजिक तत्व कहा गया और कार्यक्रम पूर्व ही मंच पर काबिज हो गए जो खेद जनक था ऐसा नहीं होना चाहिए कमेटी के लोगो ने 9 दिन मेहनत की थी पर आखरी दिन आयोजन समिति को ही मंच नसीब नही होना दुर्भाग्य जनक है।

बैनर और मंच को लेकर बढ़ी नाराजगीःसूत्र

सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी अनुसार आयोजन समिति नव युवक दुर्गा पूजा समिति का बैनर कुछ नेताओ ने मंच पर नही लगने दिया और अपना बैनर लगा दिया वही मंच पर आयोजन समिति के पदाधिकारियों की घोर उपेक्षा की गई जिसके बाद आयोजन समिति के पदाधिकारी मंच छोड़ अपने झांकी यात्रा में चले गए और जैसे झांकी वापस कार्यक्रम स्थल पहुची तो आयोजन समिति द्वारा बनाये गए राम लक्ष्मण और हनुमान जी के प्रतिरूपों से रावण का दहन करा दिया ।

खुल कर दिखी नाराजगी

आयोजन समिति के कार्यकर्ताओ का आरोप है कि मंच पर उन्हें नही बुलाया जा रहा था न ही उन्हें पूछा जा रहा था,कुछ बाहरी लोगों के द्वारा अचानक से कार्यक्रम की पूर्व नियोजित रूप रेखा बदल कर अपने हिसाब से संचालन कराया जाने लगा तो कमेटी पदाधिकारियो ने मंच छोड़ दिया।

विधायक ने मंच से जताई नाराजगी

विधायक रेणुका सिंह कुछ देर से मंच पर पहुची तो कमेटी के सदस्य कार्यक्रम स्थल छोड़ चुके थे,विधायक ने इसे लेकर नाराजगी जाहिर की जिसके बाद भाजपा नेताओं ने विधायक महोदया का स्वागत किया, इसके बाद विधायक रेणुका सिंह ने अपना उद्बोधन दिया विधायक ने अपने उद्बोधन से जनता के बीच काफी ऊर्जा भरने की कोशिस की, विधायक ने अपने उद्बोधन में बहुत से धार्मिक बाते बताई उन्होंने कहा कि बीते 9 दिनों में पूजा कर आशीर्वाद प्राप्त किया और बहुत कुछ सीखा हमारा देश त्योहारों का देश है सावन के महीने से त्योहार प्रारंभ हो जाते हैं हर त्योहार हमे भाई चारा और प्रेम सिखाता है हमारे देश मे परिवार भी है और संस्कार भी लेकिन इशारों में उनकी नाराजगी झलकती रही विधायक रेणुका सिंह ने असुर महिषासुर की कहानी का जिक्र करते हुए कहा कि वह स्त्रियों को कमजोर समझता था । कुछ लोगो के द्वारा यहां पर आतंक पैदा किया गया है इसी प्रकार का आतंक तीनो लोक में उस समय हुआ करता था। विधायक ने समय पूर्व रावण दहन को अमानवीय बताया उन्होंने मंच से आगामी वर्ष में सोनहत के स्टेडियम ग्राउंड में दुर्गा पूजा आयोजन और रावण मेघनाथ और कुंभकरण का दहन कार्यक्रम करने की घोषणा की।

जनता पूछ रही है, क्या यह भ्रष्टाचार के 'दस सिर' का इशारा है?

पूर्व विधायक कमरो ने इस बयान को महज़ जुबानी जंग तक सीमित नहीं रखा है, बल्कि इसे सीधा भ्रष्टाचार से जोड़ दिया है। उन्होंने जनता की तरफ से सवाल उठाया है कि क्या ये महज़ राजनीतिक बयान है या सचमुच सत्ता के गलियारों में बैठे किसी दस सिर वाले भ्रष्टाचार के प्रतीक की तरफ इशारा है? कमरो ने कहा है कि दीदी, तीर चलाया है तो नाम भी बताइएज्वरना ये बयान जनता को छलावा ही लगेगा। फिलहाल रेणुका सिंह की ओर से इन तीखे सवालों का कोई जवाब नहीं आया है, लेकिन उनके बयान और कमरो के पलटवार ने दशहरा उत्सव को राजनीतिक गरमाहट दे दी है, और जनता अब यह जानने को उत्सुक है कि विधायक ने किस 'रावण' की तरफ इशारा किया था।

कमरो का तीखा वारः 'कौन है वो रावण जो हक निगल रहा है?

रेणुका सिंह के 'सरकार और समाज में रावण' वाले बयान पर पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने तुरंत प्रतिक्रिया दी है और इसे महज़ राजनीतिक छलावा बताया है। गुलाब कमरो ने सीधे सवाल करते हुए कहा की दीदी,अगर सरकार में रावण है तो आखिर कौन है वो रावण जो जनता का हक निगल रहा है? दूसरी तरफ समाज का दर्जा ऊंचा है, समाज के बारे में ऐसी टिप्पणी करना गलत है। और अगर समाज में आपको रावण दिखता है तो बताइए, किसके संरक्षण में पल रहा है वो रावण?

विधायक के एक बयान पर पूर्व विधायक ने दी प्रतिक्रिया

विजयदशमी के पावन अवसर पर, जहां पूरे छत्तीसगढ़ में बुराई के प्रतीक रावण का दहन हो रहा था, वहीं भरतपुर-सोनहत विधानसभा क्षेत्र में यह पर्व एक गंभीर राजनीतिक बयानबाजी का अखाड़ा बन गया। अपने विधानसभा क्षेत्र सोनहत में आयोजित रावण दहन कार्यक्रम के दौरान, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं स्थानीय विधायक रेणुका सिंह ने एक विवादित बयान देते हुए कहा कि सरकार में भी रावण है और समाज में भी रावण रहते हैं, लेकिन रावण के अंत का संकल्प लेना पड़ता है। उनके इस बयान ने तत्काल क्षेत्र की राजनीति में भूचाल ला दिया। रेणुका सिंह के इस कथन पर, पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने पलटवार करते हुए तीखे सवालों की झड़ी लगा दी है, जिसने अब इस मामले को महज़ एक राजनीतिक बयान से कहीं अधिक बना दिया है।

महात्मा गांधी की प्रतिमा पर कलेक्टर सहित जिला प्रशासन ने किया श्रद्धा सुमन अर्पित

गांधी के सपने को साकार करने एकजुटता और स्वच्छता जरूरी

-संवाददाता-

बैकुंठपुर,03 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

पूरा देश 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी की जयंती पर उन्हें याद करने के साथ उनके सपनो का भारत बनाने का संकल्प भी लिया। इसी कड़ी में आज कलेक्टरेट परिसर बैकुंठपुर में महात्मा गांधी की 156वीं जयंती के अवसर पर कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी सहित जिला प्रशासन के अधिकारियों ने महात्मा गांधी को याद की और उन्हें नमन करते हुए उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। श्रीमती त्रिपाठी ने महात्मा गांधी के सपनों का भारत बनाने के लिए जिले वासियों तथा अधिकारियों, कर्मचारियों से साल में 100 घंटे श्रमदान करने व स्वच्छता ही सेवा का संकल्प लेने की आव्हान की। कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने कहा बापू सदैव अहिंसा, करुणा, प्रेम, त्याग और सद्भाव के लिए जीया साथ ही उन्होंने स्वयं, घर व परिसर को स्वच्छ रखने के हिमायती थे। इस अवसर पर जिला प्रशासन के अधिकारियों,कर्मचारियों ने स्वच्छता रखने का संकल्प लिया।

76 वर्ष की उम्र में भी जनता से जुड़ाव का जज्बा,नवरात्रि पर्व अवसर पर विधानसभा के हर पूजा पंडाल तक पहुंच रहे हैं विधायक भईयालाल

विधायक भईयालाल राजवाड़े देर रात तक नजर आ रहे हैं दुर्गा पूजा पंडालों में,क्षेत्र की जनता भी विधायक को अपने बीच पाकर नजर आ रही है उत्साहित

-संवाददाता-

कोरिया,03 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

बैकुंठपुर विधायक भईयालाल राजवाड़े का 76 वर्ष की उम्र में भी जनसंपर्क का जज्बा पहले जैसा ही नजर आ रहा है और वह शारदेय नवरात्रि पर्व अवसर पर लगातार क्षेत्र की जनता के बीच पहुंच रहे हैं और उन्हें इस पर्व की बधाई दे रहे हैं,भईयालाल राजवाड़े को हाल फिलहाल में काफी सक्रिय देखा जा रहा है क्षेत्र में और वह क्षेत्र के हर दुर्गा पूजा पंडाल तक पहुंचकर लोगों से इस नवरात्रि पर्व में मुलाकात कर रहे हैं उन्हें पर्व की बधाई दे रहे हैं, भईयालाल राजवाड़े देर रात तक दुर्गा पूजा पंडालों में नजर आ रहे हैं,

बता दें कि वर्तमान में नवरात्रि का पर्व चल रहा है और जो इस वर्ष 10 दिनों का है और 11 वें दिन दशहरा है,इस बीच जनता के बीच राजनीति से जुड़े लोगों का पहुंच बढ़ी हुई नजर आ रही है और इस पहुंच के मामले में क्षेत्रीय विधायक अव्वल नजर आ रहे हैं और वह हर गांव के हर दुर्गा पूजा पंडाल तक पहुंचकर जनता से सीधा संवाद कर रहे हैं। अपने विधायक को

अपने बीच पाकर जनता भी क्षेत्र की उत्साहित नजर आ रही है और वह उनके सानिध्य से खुद को सौभाग्यशाली मान रही है,। बैकुंठपुर विधानसभा क्षेत्र काफी बड़े क्षेत्र तक विस्तृत है और इस क्षेत्र में दुर्गा पूजा आयोजन करने वाली समितियों की संख्या भी काफी अधिक है,इस अधिक संख्या के बावजूद बैकुंठपुर विधायक थके हुए नजर नहीं आ रहे हैं और वह हर दुर्गा पूजा पंडाल तक पहुंचने का प्रयास करते नजर आ रहे हैं।

76 वर्ष की उम्र में जनसंपर्क का गजब का जज्बा प्रदर्शित कर रहे हैं विधायक भईयालाल राजवाड़े

बैकुंठपुर विधायक भईयालाल राजवाड़े की उम्र 76 वर्ष से अधिक की हो गई है,इस उम्र में भी उनके जनसंपर्क के जज्बे में कमी नजर नहीं आ रही है,विधायक लगातार देर रात तक दुर्गा पूजा पंडालों में पहुंच रहे हैं और क्षेत्र की जनता के साथ वह समय व्यतीत कर रहे हैं उनके पर्व अवसर के उत्साह में शामिल हो रहे हैं,विधायक के जज्बे को लेकर लोगों का यही कहना है कि विधायक की सक्रियता में कहीं कमी नजर नहीं आती और वह ऊर्जावान ही नजर आते हैं।

दशहरा के दिन भी विधायक पहुंचेंगे कई जगह,कई रावण दहन कार्यक्रम में होंगे शामिल

विधायक भईयालाल राजवाड़े दशहरा के दिन भी सक्रिय नजर आने वाले हैं,दशहरा के दिन वह कई रावण दहन कार्यक्रम में शामिल होंगे,कई समितियों ने उन्हें आमंत्रित किया है,वह देर रात तक कई कार्यक्रमों में शामिल होंगे,पटना,चरचा,जमगहना जैसी समितियां विधायक की उपस्थिति में ही रावण दहन कार्यक्रम का आयोजन करने की तैयारी में हैं।

छत्तीसगढ़ की दीदियां बनीं आत्मनिर्भरता की ब्रांड एंबेसडर

लखपति दीदियों की सफलता हजारों महिलाओं के लिए बनेगी प्रेरणा:सीएम साय

रायपुर,03 अक्टूबर 2025। महिलाएं जीवन के हर क्षेत्र में सफलता के नए आयाम गढ़ रही हैं। तकनीक ने पूरी दुनिया के उत्पादों को फिंगरटिप्स पर ला दिया है और अब डिजिटल माध्यम से वैश्विक बाजार तक पहुँचना संभव हो गया है। इसी उद्देश्य से बिहान की दीदियों को डिजिटल प्रशिक्षण दिया जा रहा है ताकि छत्तीसगढ़ के उत्पाद देश और दुनिया के बाजारों तक पहुँच सकें। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर के शहीद स्मारक भवन में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग तथा पॉलिसी वॉच द्वारा आयोजित बिहान दीदियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि नवरात्रि का पर्व हमारी संस्कृति में नारी शक्ति के सम्मान और पूजन का प्रतीक है। जहां नारी का सम्मान होता है, वहीं देवताओं का वास माना जाता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की महिलाएं इतिहास रच रही हैं। बिहान की बहनों की कामयाबी हमें गर्व से भर देती है। छत्तीसगढ़ की दीदियां अब आत्मनिर्भरता की ब्रांड एम्बेसडर बन रही हैं। लखपति दीदियां सपनों को नए पंख दे रही हैं और आज उन्हें डिजिटली सक्षम बनाकर उनके उत्पादों को वैश्विक बाजार से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि यदि हम संकल्प लेकर आगे बढ़ें तो सफलता निश्चित है। केंद्र और राज्य सरकार मिलकर महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही हैं। वर्ष 2027 तक देशभर में 3 करोड़ और छत्तीसगढ़ में 8 लाख महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि जशपुर जैसे जिलों में महुआ आधारित उत्पाद तैयार हो रहे हैं, जिन्हें 'जशप्योर' ब्रांड के रूप में राष्ट्रीय पहचान मिली है।

कोरोना काल में महुआ से सैनिटाइज़र बनाकर महिलाओं ने अपनी क्षमता और नवाचार का परिचय दिया था। मुख्यमंत्री साय ने आगे कहा कि महतारी वंदन योजना से महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में मदद मिली है। आत्मनिर्भरता का मार्ग संकल्प और प्रयास से ही संभव है। महिला स्व-सहायता समूहों के नवाचार और परिश्रम से प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई दिशा मिल रही है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सरकार महिलाओं को और अधिक सशक्त बनाने के लिए हरसंभव सहयोग करेगी।

मुख्यमंत्री ने बिहान दीदियों के स्टॉलों का किया निरीक्षण

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शहीद स्मारक भवन परिसर में पॉलिसी वॉच इंडिया फाउंडेशन द्वारा लगाए गए बिहान दीदियों के स्टॉलों का अवलोकन किया। उन्होंने विभिन्न स्व-सहायता समूहों की महिलाओं से चर्चा कर उनके उत्पादों और आजीविका गतिविधियों की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने भारत माता संकुल, डोंगरगांव की महिलाओं से साहीवाल और गिर गाय के ए 2 मिल्क से निर्मित घी की खरीदारी की। समूह की श्रीमती दिनेश्वरी साहू ने बताया कि उनके पास 25 से 30 गाएं हैं, जिनसे डेयरी उत्पाद तैयार कर महिलाएं अच्छी आय कमा रही हैं। जालाग्राम संगठन, सेरीखेड़ी की श्रीमती खिलेश्वरी मधुकर ने बताया कि उनके समूह की महिलाएं फिनायल, धूपबत्ती, मोमबत्ती, कुकीज और ग्लिसरीन सोप बनाकर आत्मनिर्भर बन रही हैं। वहीं जय माँ भवानी स्व-सहायता समूह, मुंदगांव (डोंगरगढ़) की श्रीमती लक्ष्मी गंधर्व ने मुख्यमंत्री को अगरवुड का पौधा भेंट किया और बताया कि अगरवुड से बनने वाले तेल की कीमत लाखों रुपए होती है। इसका उपयोग अगरबत्ती, परफ्यूम और एसेंशियल ऑयल निर्माण में किया जाता है।

राष्ट्रीय पहचान की ओर बिहान की दीदियां

उल्लेखनीय है कि पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग और पॉलिसी वॉच के संयुक्त तत्वाधान में बिहान की दीदियों के लिए विशेष कार्यशाला आयोजित की गई है। इसके अंतर्गत स्व-सहायता समूह की महिलाएं अपने उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्लेटफ़ॉर्म पर बेच सकेंगी। उन्हें प्रोडक्ट की ब्रांडिंग, कास्टिंग और पैकेजिंग जैसी बारीकियों का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। कार्यक्रम में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की प्रमुख सचिव श्रीमती निहारिका बारीक सिंह तथा फ्लिपकार्ट के मुख्य कॉरपोरेट अधिकारी रजनीश कुमार सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

महिलाओं ने साझा किया लखपति बनने का शानदार सफर

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने लखपति दीदी बनने की प्रेरक कहानियाँ सुनीं। बलरामपुर जिले के तारकेश्वरपुर की श्रीमती पूनम गुप्ता ने बताया कि सरस्वती महिला स्व-सहायता समूह से जुड़ने के बाद उनके जीवन में बड़ा बदलाव आया। प्रशासन के सहयोग से किराना दुकान खोली, आटा चक्की स्थापित की और अब पिकअप व ट्रैक्टर खरीदकर व्यवसाय को विस्तार दिया है। गरियाबंद की श्रीमती हेमिन साहू ने बताया कि एक समय सब्जी खरीदने तक में कठिनाई होती थी।

बिहान से लोन लेकर आचार-पापड़ का व्यवसाय शुरू किया,जो अब राजिम में दुकान तक पहुँच चुका है। आज उन्हें प्रतिदिन लगभग 4 हजार रुपए की आय हो रही है। हाल ही दिल्ली के सरस मेले में उन्होंने 2 लाख 31 हजार रुपए की बिक्री की। श्रीमती गीता वैष्णव ने भावुक होकर कहा कि पहले उन्हें 10 रुपए के लिए हाथ फैलाना पड़ता था। लेकिन बिहान के माध्यम से मां वैभवलक्ष्मी स्व-सहायता समूह से जुड़कर उन्होंने आचार-पापड़ व्यवसाय शुरू किया।

नक्सलियों के आत्मसमर्पण को कांग्रेस ने बताया फर्जी

दीपक बैज बोले- नक्सलवाद खत्म होने की डेडलाइन बताए भाजपा

रायपुर,03 अक्टूबर 2025। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के दौरे के पहले कांग्रेस ने भाजपा सरकार में हुए नक्सलियों के आत्मसमर्पण को फर्जी बताया है। कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भाजपा ने नक्सलियों के आत्मसमर्पण को इवेंट बना दिया है। एक तरफ आत्मसमर्पण हो रहा है, दूसरी तरफ एनकाउंटर हो रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार को हाल ही में आत्मसमर्पण करने वाले 103 नक्सलियों के बारे में पूरी जानकारी सार्वजनिक करनी चाहिए। बस्तर में कई फर्जी सरेंडर, एनकाउंटर हुए, कई निर्दोष आदिवासियों को जेल भेज दिया गया। नक्सलियों के लिए सरकार रेड कारपेट बिछा रही है। आत्मसमर्पण को इवेंट बना दिया गया है। सरकार लिस्ट जारी करें, ताकि साफ हो पाए कि समर्पण करने वाली असली नक्सली हैं या सरकार प्रोपेगेंडा कर रही है। पीसीसी अध्यक्ष के बयान पर भाजपा प्रवक्ता देवलाल ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा नक्सलियों को पाला-पोसा और उनकी विचारधारा को आगे बढ़ाया है। आज जब हमारे जवान नक्सलियों का बहादुरी से सामना कर रहे हैं। उनका खात्मा कर रहे हैं, तो कांग्रेस के पेट में दर्द क्यों हो रहा है। कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा है कि 15 साल के कार्यकाल में भाजपा ने नक्सलवाद खत्म करने के नाम पर सिर्फ फर्जी अभियान चलाए। गृहमंत्री अमित शाह ने कहा था कि साल 2026 तक नक्सलवाद खत्म हो जाएगा। लेकिन जो हालात प्रदेश में हैं, ऐसा लग नहीं रहा है कि नक्सलवाद खत्म हो पाएगा। गृहमंत्री जवाब दें कि कब प्रदेश नक्सलवाद मुक्त हो पाएगा। बता दें कि छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद अब तक 1890 नक्सली सरेंडर कर चुके हैं। वहीं 1100 से ज्यादा नक्सलियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। वहीं साल 2024 में अब तक 282 नक्सलियों को मुठभेड़ में मार गिराया गया है। गृहमंत्री अमित शाह ने नक्सल खात्मे के लिए 31 मार्च 2026 तक की डेडलाइन तय की है। छत्तीसगढ़ सरकार आत्मसमर्पण को प्रोत्साहन देने के लिए 50 हजार की प्रोत्साहन राशि के साथ जमीन और रोजगार भी दिलवा रही है। हथियारों के साथ आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को भी प्रोत्साहन दे रही है। इसके मुताबिक एलएमजी के लिए 15,000 रुपए और आईईडी के लिए 10,000 रुपए।

छत्तीसगढ़ में 'मरमेड बेबी' का जन्म,3 घंटे में मौत

नवजात के दोनों पैर जलपरी जैसे जुड़े हुए थे,डॉक्टर बोले-दुनिया में सिर्फ 300 केस

धमतरी,03 अक्टूबर 2025। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिला अस्पताल में शुक्रवार को मरमेड सिंड्रोम से पीड़ित एक बच्चे का साढ़े 12 बजे जन्म हुआ। जन्म के लगभग 3 घंटे बाद मौत हो गई। नवजात के दोनों पैर आपस में जुड़े हुए थे। मरमेड बेबी जलपरी की तरह नजर आ रहा था। 28 वर्षीय महिला का यह दूसरा बच्चा था। जानकारी के मुताबिक, लेबर पेन के बाद 8 महीने की प्रेग्नेंट महिला को बुधवार सुबह धमतरी जिला अस्पताल में भर्ती किया गया था। जांच के बाद डॉक्टर्स ने डिलीवरी करने का फैसला लिया। डिलीवरी के बाद डॉक्टर्स ने इसे रेयर केस बताया है। साथ ही मरमेड सिंड्रोम या सिरेनोमेलिया बताया। डॉक्टर्स ने बताया कि इस तरह के बच्चों में जन्म के बाद लिंग का पता नहीं चल पाता। डॉक्टर्स के अनुसार, ऐसे बच्चों का जीवनकाल आमतौर पर बहुत कम होता है। इसे छत्तीसगढ़ का पहला और भारत का पांचवां केस बताया जा रहा है। वहीं दुनिया में 300 केसेस सामने आए हैं।

कुछ घंटे या कुछ दिनों बाद हो जाती है मौत : विशेषज्ञों के अनुसार, मरमेड सिंड्रोम लड़कों में लड़कियों की तुलना में लगभग तीन गुना अधिक देखने को मिलता है। यह स्थिति इतनी गंभीर होती है कि अधिकतर शिशु मृत पैदा होते हैं, और यदि जीवित भी होते हैं तो उपचार के बावजूद कुछ घंटे या अधिकतम कुछ दिन ही जीवित रह पाते हैं। इस जन्मजात विकृति में शरीर के निचले हिस्से का विकास अत्यंत अविकसित होता है, जिससे जीवन-रक्षक अंग जैसे किडनी, यूरेथ्रा (मूत्रमार्ग) और जेनिटल्स (जननांग) पूरी तरह विकसित नहीं हो पाते। यही कारण है कि शिशु की मृत्यु दर इस स्थिति में लगभग शत-प्रतिशत मानी जाती है।

800 ग्राम था बच्चे का वजन

डिलीवरी कराने वाली डॉक्टर रागिनी सिंह ठाकुर ने बताया कि बच्चे के दोनों पैर जलपरी की तरह आपस में जुड़े हुए थे। शिशु का ऊपरी हिस्सा जैसे आंख,नाक और हृदय विकसित थे, लेकिन रीढ़ की हड्डी से नीचे का हिस्सा जुड़ा हुआ था। बच्चे का वजन केवल 800 ग्राम था। आमतौर पर सोनोग्राफी में ही ऐसी असामान्यता का पता चल जाता है, लेकिन इस मामले में सीधे डिलीवरी के बाद जानकारी सामने आई। उन्होंने बताया कि उचित पोषण की कमी, मां से बच्चे तक अनुचित रक्त संचार या भ्रूण का पर्यावरणीय टेराटोजेन (कुछ दवाएं) के संपर्क में आने से यह स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

दुनियाभर में लगभग 300 केस सामने आए

'इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिप्रोडक्शन, कॉन्ट्रासेप्शन, ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी' में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, मरमेड सिंड्रोम के अब तक 1542 से लेकर आज तक दुनियाभर में केवल लगभग 300 मामलों का ही दस्तावेजीकरण किया गया है। यह इसे दुनिया की सबसे दुर्लभ जन्मजात विकृतियों में से एक बनाता है। भारत में इससे पहले 2016 में उत्तर प्रदेश में इस तरह का पहला मामला सामने आया था, जहां एक महिला ने मरमेड बेबी को जन्म दिया था। वह शिशु केवल 10 मिनट तक ही जीवित रह पाया था।

राज्य स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता में मिलेगा ढाई लाख तक पुरस्कार

रायपुर,03 अक्टूबर 2025। शतरंज के खेल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन 11 से 13 अक्टूबर तक किया जा रहा है। प्रतियोगिता में ढाई लाख रुपये तक पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। छत्तीसगढ़ राज्य गठन के रजत जयंती महोत्सव के अंतर्गत जिला शतरंज संघ जशपुर के तत्वावधान में जशपुर के कम्यूनिटी हॉल में छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय ओपन शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। उद्घाटन समारोह 11 अक्टूबर को सुबह 9.30 बजे तथा समापन 13 अक्टूबर को शाम 4.00 बजे होगा। इस प्रतियोगिता में कुल 2. लाख 51 हजार रुपये का नगद ईनाम और आकर्षक ट्रॉफियां रखी गई हैं। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ी को 31 हजार रुपये, द्वितीय को 21 हजार रुपये एवं तृतीय पुरस्कार 11 हजार रुपये के साथ ट्रॉफी पुरस्कार स्वरूप प्रदान किया जाएगा।

पांच वर्ग में प्रतियोगिता : विशेष श्रेणी पुरस्कार के तहत सर्वश्रेष्ठ जशपुर, सर्वश्रेष्ठ सरगुजा डिवीजन, सर्वश्रेष्ठ महिला, वरिष्ठ खिलाड़ी (55.), दिव्यांग प्रतिभागियों सहित विभिन्न वर्गों के विजेताओं के लिए अलग पुरस्कार दिए जाएंगे। बालक एवं बालिकाओं के लिए अंडर-09, अंडर-11, अंडर-13 एवं अंडर-15 वर्ग में भी प्रतियोगिता का आयोजन होगा।

10वीं-12वीं बोर्ड परीक्षा के लिए आवेदन फॉर्म शुरू

रायपुर,03 अक्टूबर 2025। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल रायपुर ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी स्कूल की बोर्ड परीक्षा दिलाने वाले स्वाध्यायी विद्यार्थियों के लिए आवेदन फार्म भरने की तारीखों की घोषणा कर दी है. छात्रों को आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन करनी होगी. मंडल ने स्पष्ट किया है कि छात्र-छात्राएं केवल मान्यता प्राप्त शैक्षणिक संस्थाओं से ही परीक्षा आवेदन फार्म ऑनलाइन भर सकेंगे. प्रत्येक संस्था को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके विद्यार्थी समय पर फॉर्म भरें.

- **सामान्य शुल्क के साथ:**1 अक्टूबर 2025 से 31 अक्टूबर 2025 तक।
- **विलंब शुल्क के साथ:**1 नवंबर 2025 से 16 नवंबर 2025 तक।
- **विशेष विलंब शुल्क के साथ:** 17 नवंबर 2025 से 30 नवंबर 2025 तक।

जीएसटी और इनकम टैक्स रिटर्न से उजागर हुए फर्जी गरीब,प्रदेश भर में ऐसे हजारों बीपीएल कार्ड होंगे निरस्त

रायपुर,03 अक्टूबर 2025। पूरे प्रदेश में चल रहे राशन कार्डों के सत्यापन के दौरान खाद्य विभाग को हजारों ऐसे राशन कार्डों की जानकारी मिली है, जो नियमों के खिलाफ बने हैं, जिन पर कार्यवाही करते हुए विभाग अब उन कार्डों को निरस्त करेगा।

6 लाख से अधिक आय वाले बीपीएल से बाहर : विभाग द्वारा की गई जांच के दौरान पता चला है कि ये वो लोग हैं जिन्होंने जीएसटी और इनकम टैक्स रिटर्न भी दाखिल किया है. इतना ही नहीं जिनके पास एक हेक्टेयर से ज्यादा जमीन है, और उनकी आय 6 लाख रुपए वार्षिक से ज्यादा है, उन्होंने भी बीपीएल कार्ड बनवा रखा है। जांच में पुख्ता प्रमाण मिलने के बाद इन राशन कार्डों को निरस्त करने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। बताया जा रहा है कि ऐसे सभी कार्डों को ऑनलाइन ब्लॉक करना शुरू कर दिया गया है।

जीएसटी रिटर्न से भी हुआ आय का खुलासा : सत्यापन के दौरान ऐसे भी कई कार्डधारी मिले हैं, जिन्होंने जीएसटी नंबर भी ले रखा है। ऐसे व्यवसायी जिन्होंने साल भर में 25 लाख रुपए से भी अधिक का जीएसटी रिटर्न भरा है वे भी बीपीएल के दायरे से बाहर होंगे।

प्रदेश भर में हजारों कार्ड होंगे निरस्त : ऐसे सभी कार्डों को ऑनलाइन ब्लॉक करना शुरू कर दिया गया है। कार्ड ब्लॉक करने पर किसी को आपत्ति है तो वे राशन दुकानदारों या विभाग के पास आपत्ति दर्ज करवा सकते हैं। राज्य में ऐसे राशन कार्डों की संख्या 62 हजार 813 बताई जा रही है। राजधानी रायपुर में इनकी संख्या 10361 है, जिले में 640 लोग ऐसे हैं जो जीएसटी रिटर्न भरते हैं और बीपीएल का राशन कार्ड भी बनवा लिया है। इन सभी की पहचान आधार,पैन और राशन कार्ड को लिंक करने के बाद मिली है। कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह ने फर्जी राशन कार्डों को लेकर खाद्य विभाग के अफसरों की बैठक लेकर दो टूक कहा कि जांच के काम में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिला खाद्य नियंत्रक भूपेंद्र मिश्रा ने बताया कि हजारों की संख्या में ऐसे एपीएल राशन कार्डों की भी जानकारी मिली है जो पिछले तीन साल से राशन ले रहे हैं। इनसे पूरे पैसे की वसूली होगी।

कार ड्राइवर ने नियंत्रण खोया कारोबारी और उनकी पत्नी की मौत

कवर्धा,03 अक्टूबर 2025। कवर्धा में शुक्रवार सुबह एक भीषण सडक़ हादसा हुआ, जिसमें राजिम के व्यवसायी और उनकी पत्नी की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि मऊ (मध्य प्रदेश) से राजिम जा रही एक कार अनियंत्रित होकर पुल के सुरक्षा बैरियर से टकरा गई। हादसे में दंपति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा पंडरिया थाना क्षेत्र के रहमान कांपा के पास सुबह करीब 6 बजे हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार तेज रफ्तार में थी और चालक ने नियंत्रण खो दिया। कार अनियंत्रित होकर पुल के सुरक्षा बैरियर से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के सामने का बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में राजिम निवासी व्यवसायी और शशि कंस्ट्रक्शन एंड इलेक्ट्रिकल्स के संचालक लोकनाथ साहू और उनकी पत्नी लक्ष्मी साहू की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पंडरिया थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचा और मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

रायगढ़ में दशहरे के दिन सास और दामाद की हत्या,घर में मिली दोनों की लाश

रायगढ़,03 अक्टूबर 2025। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में दशहरे के दिन सास और दामाद का मर्डर हुआ है, वहीं, बेटी गंभीर रूप से घायल हुई है। ग्राम रायकेरा में गुरुवार (2 अक्टूबर) को परिवार के 2 सदस्य की लाश घर में मिली है। मामला घरघोड़ा थाना क्षेत्र का है। मृतकों में बुजुर्ग महिला सुकमेत सिदार (80 साल) और उनका दामाद लक्ष्मण सिदार (60 साल) शामिल है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने गला दबाकर मारने की आशंका जताई है। हालांकि पोस्टमॉर्टम के बाद पूरे मामले का खुलासा होगा। घटना में सुकमेत की बेटी गंभीर रूप से घायल है, जिसका इलाज टिंगनी अस्पताल में जारी है। पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचकर आगे की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल संदेह के आधार पर पुलिस ने मृतक लक्ष्मण सिदार के बेटे और एक पड़ोसी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। मृतक लक्ष्मण सिदार शादी के बाद से ससुराल में रह रहा था। उसका एक बेटा और दो बेटियां हैं। हत्याकांड की मुख्य वजह जमीन मुआवजा राशि को माना जा रहा है। हाल ही में सुकमेत सिदार को एनटीपीसी से मुआवजा राशि मिली थी।

16वीं सदी से जारी परंपरा टूटी,दशहरा पर नहीं निकाली गई राजा की सवारी

मुंगेली,03 अक्टूबर 2025। दशहरे का पर्व आने से कुछ दिन पहले से ही पूरे देश में जगह-जगह रावण दहन की तैयारियां शुरू हो जाती हैं,लेकिन छत्तीसगढ़ के मुंगेली जिले का एक गांव ऐसा है जहां सदियों पुरानी परंपरा आज भी जीवंत है। यहां दशहरे के दिन रावण का दहन नहीं होता,बल्कि राजा की सवारी निकाली जाती है। इस अनोखी परंपरा को देखने और इसमें शामिल होने के लिए 44 गांवों के लोग एकत्रित होते हैं । मुंगेली जिला मुख्यालय से लगभग 10 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम कंतेली का दशहरा वहां के लोगों के लिए सिर्फ उत्सव नहीं, बल्कि सांस्कृतिक धरोहर है। जो छत्तीसगढ़ की लोक परंपराओं और अनोखी मान्यताओं की झलक प्रस्तुत करता है। ऐसी मान्यता है कि यह परंपरा 16वीं सदी से चली आ रही है। यहां दशहरे के दिन कंतेली जमींदारी परिवार की ओर से राजा की सवारी निकाली जाती है, जो राजमहल से निकलकर कुल देवी मंदिर तक जाती है, जहां राजा मां महालक्ष्मी, मां सरस्वती और मां काली की पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना करते हैं। इस उत्सव में आस-पास के 44 गांवों के लोग मिलकर राजा की सवारी निकालते हैं। इस परंपरा में आसपास के 44 गांवों के लोग शामिल होते हैं। जुलूस में नाच-गाना और धार्मिक आयोजन होते हैं। कुल देवी की पूजा के बाद राजमहल में सभा लगती है, जहां ग्रामीण राजा को सोनपत्ती अर्पित कर आशीर्वाद लेते हैं।

इस अनोखी परंपरा को लोगों में उत्साह और एकजुटता का प्रतीक माना जाता है। कंली जमींदारी के प्रथम पुत्र गजराज सिंह ने कुल देवी मंदिर का निर्माण कराया था। स्वतंत्रता प्राप्ति से पहले 1944 में राजा पोखराज सिंह द्वितीय के निधन के बाद राजमाता पिनांक कुमारी देवी ने यशवंत कुमार सिंह को दत्तक पुत्र बनाया।

केरल से मिलती-जुलती परंपरा

कंतेली गांव को छत्तीसगढ़ का पहला ऐसा गांव माना जाता है, जहां दशहरे पर रावण दहन नहीं होता। यहां का दशहरा केरल की उस परंपरा से मिलता-जुलता है, जहां राजा बली पाताल लोक से बाहर आकर अपनी प्रजा का हालचाल लेते हैं। कंतेली में भी राजा और प्रजा के बीच इसी तरह का संवाद दशकों से कायम है।

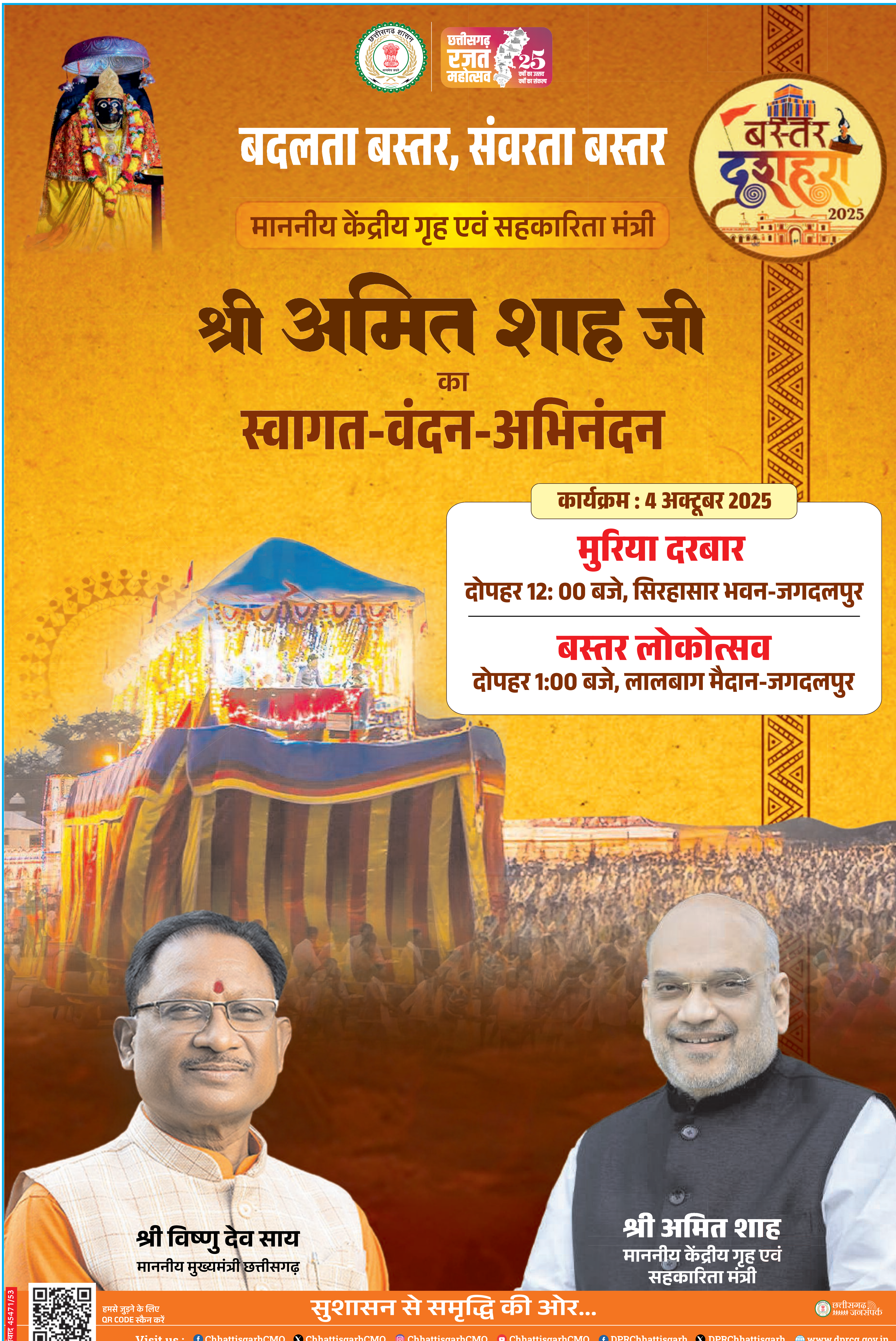

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)